सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 139 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 02 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, कहा- पुनर्वास संस्था के रूप में काम करे ओपन जेल

नई दिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने ओपन जेलों के विस्तार और सुधार के लिए पैन इंडिया निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि इन्हें सुधार और पुनर्वास की सार्थक संस्थाओं के रूप में कार्य करना चाहिए। बेंच ने कहा कि ये निर्देश इसलिए जारी किए जा रहे हैं ताकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत प्रदत्त समानता, भेदभाव-निषेध और गरिमा के साथ जीने के अधिकार के संवैधानिक दायित्व को देशभर की जेलों के प्रशासन में सार्थक रूप से लागू किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बंद जेलों की तुलना में ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन्स (ओपन जेल) के आर्थिक लाभ पर भी ध्यान दिया। राजस्थान के आंकड़ों का उल्लेख किया, जिनके अनुसार बंद जेल में एक कैदी पर राज्य को प्रति माह लगभग 3,000 खर्च करने पड़ते हैं, जबकि ओसीआई में एक कैदी पर प्रति माह लगभग 50 रुपये का खर्च आता है।

अदालत ने कहा कि विशेष रूप से इस गंभीर अंतर, बल्कि यह कहें कि बंद जेलों की तुलना में ओपन ओसीआई के गंभीर आर्थिक लाभ पर ध्यान दिया है। कोर्ट ने ये निर्देश जेलों में भीड़भाड़ और ओपन जेल के संचालन से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किए। अदालत ने गोवा, हरियाणा, झारखंड, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और तेलंगाना राज्यों, जहां वर्तमान में कोई भी कार्यरत ओसीआई नहीं है, को ऐसे संस्थानों की आवश्यकता का आकलन करने और एक प्रोटोकॉल तैयार करने का निर्देश दिया।

मई 2024 में न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि खुली जेलों या शिविरों की स्थापना भीड़भाड़ की समस्या का एक समाधान हो सकती है और यह भी उल्लेख किया था कि ऐसा तंत्र राजस्थान में कार्यरत है। 17 मई 2024 को न्यायालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक मॉडल प्रारूप मैनुअल तैयार किया है, जिसमें खुली जेलों को ओसीआई के रूप में रेफर किया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि इन संस्थानों का पर्याप्त उपयोग नहीं हो रहा है।

खास-खबर

खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस, तीन की मौत और 31 घायल

उन्नाव ए.। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं। एक्सप्रेसवे पर रविवार रात 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। पुलिस रोडवेज बस हटवाने के बाद रात्रि 2:30 बजे क्षतिग्रस्त ट्रक को प्रीतमपुरा चौकी ले जाया जा रहा था, तभी आगरा फोर्ट की ही दूसरी रोडवेज बस इस ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में तीन सवारियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ट्रक सड़क के किनारे खड़ा था। दोनों बसों में 31 सवारियां घायल हुई हैं।

बाउंड्री वॉल गिरने से चार साल के मासूम की मौत, दो घायल

कोरबा। संजय नगर स्थित लक्ष्मणबन बस्ती में बाउंड्रीवाल गिरने से धनेश कर्ष पिता मुकेश कर्ष उम्र 4 वर्ष की दबने से मौत हो गई। वहीं सोनू कर्ष 20 वर्ष, विशाल यादव 18 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। नगर विधायक एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन रविवार की देर शाम संजय नगर स्थित लक्ष्मणबन बस्ती पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। बताया जा रहा है कि निर्माण अधीन मकान पर जेएसईबी मशीन से काम चल रहा था। अचानक से बाउंड्री गिर गई। हादसे में मासूम की मौत और दो घायल हो गए। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने कोतवाली थाने का घेराव करते हुए ठीक सामने मुख्य मार्ग पर कार्रवाई की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया गया था।

छत्तीसगढ़ में गर्मी की रफ्तार तेज, दिन का पारा चढ़ेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम ने अब स्पष्ट रूप से गर्म तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। फरवरी के अंतिम सप्ताह के साथ ही तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और दोपहर के समय गर्मी का असर साफ महसूस होने लगा है। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। इसके बाद दो दिनों तक तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश में फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ या किसी सक्रिय सिस्टम का प्रभाव नहीं है, इसलिए मौसम शुष्क बना रहेगा। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहने की संभावना है। बादल छाए रहने या वर्षा की फिलहाल कोई संभावना नहीं जताई गई है। शुष्क हवाओं के कारण दोपहर के समय लू जैसे हालात भले न बनें, लेकिन गर्मी का असर तेज रहेगा।

15 नक्सलियों ने डाले हथियार, सीएम साय बोले- विकास की नीति पर बढ़ रहा विश्वास

बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने महासमुंद में किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महासमुंद जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय 15 सशस्त्र माओवादियों ने आज हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति पर विश्वास जताते हुए आज महासमुंद जिले में हथियारों सहित पुनर्वास का मार्ग अपनाया। यह पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन कार्यक्रम के अंतर्गत ओडिशा सीमा के निकट महासमुंद में हुआ। नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हथियारों के साथ उनका आत्मसमर्पण इस बात का प्रमाण है कि भटके हुए युवाओं का विश्वास अब सुशासन, सुरक्षा और विकास की नीति पर बढ़ रहा है।

सीएम साय ने कहा लोकतंत्र में विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने सुरक्षा, विकास और शांतिपूर्ण जीवन की राह को अपनाया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं, जिन पर कुल 73 लाख रुपये का इनाम घोषित था। राज्य सरकार की प्रभावी पुनर्वास नीति, सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई और विकास कार्यों के विस्तार के परिणामस्वरूप नक्सल-मुक्त

बस्तर का सपना तेजी से साकार हो रहा है तथा विकसित छत्तीसगढ़ का स्वरूप स्पष्ट रूप से आकार ले रहा है।

देश में नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में निर्णायक कार्य

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में निर्णायक कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केंद्र के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा, आधारभूत अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का तेजी से विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का अटल संकल्प भयमुक्त वातावरण के साथ विकसित और सुरक्षित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है।

मोस्ट वांटेड विकास उर्फ सुदर्शन का है दल

उल्लेखनीय है कि इस दल में सबसे प्रमुख नाम वारंगल निवासी विकास उर्फ सुदर्शन उर्फ जंगू उर्फ बाबन्ना उर्फ राजन्ना का था। वह ओडिशा राज्य कमेटी के स्टेट कमेटी मेंबर तथा बीबीएम डिवीजन प्रभारी था, जिस पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह वर्ष 1985 से संगठन में सक्रिय था। नक्सलियों ने अपने साथ 3 एके-47, 2 एसएलआर, 2 इंसास, 4 .303 राइफल, 3 बारह बोर सहित कुल 14 अत्याधुनिक एवं ऑटोमेटिक हथियार लाये हैं।

डिप्टी सीएम को पत्र लिखकर जताई थी सरेंडर की इच्छा

उल्लेखनीय है कि बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन द्वारा डिप्टी सीएम विजय शर्मा को पत्र लिखकर शासन की नीतियों पर विश्वास जताते हुए पुनर्वास करने के लिए इच्छा जाहिर की गई थी, जिसके जवाब में डिप्टी सीएम ने उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए आश्वस्त करते हुए आकाशवाणी के माध्यम से आडियो मैसेज जारी कर 03 मार्च तक पुनर्वास की अपील की थी। उस अपील के पश्चात बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने पुनर्वास किया।

पश्चिमी सब जोन समाप्त

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पुर्नवास का मार्ग चुनने वाले युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस पुनर्वास के साथ ओडिशा राज्य कमेटी का पश्चिमी सब जोन (बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन) पूर्णतः समाप्त हो गया है। अब रायपुर पुलिस रेंज और ओडिशा के संबलपुर रेंज अब नक्सल मुक्त हो जाने से क्षेत्र में शांति होगी और लोग भय मुक्त जीवन जी सकेंगे। उन्होंने मुख्यधारा में लौटे सभी युवाओं का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तनाव के बीच पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति व इस्राइली पीएम से की बात

नई दिल्ली ए.। पोस्ट में पीएम मोदी ने बताया कि इस बातचीत में उन्होंने क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की और भारत की चिंताओं को साझा किया। उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और कहा कि संघर्ष को जल्द रोकने की जरूरत है। पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांति स्थापित करनी चाहिए।

उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है और इन हमलों में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है।

यूएई के राष्ट्रपति का किया धन्यवाद

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उन्होंने यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय का ख्याल रखने के लिए राष्ट्रपति का धन्यवाद किया। यूएई में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक काम करते हैं और रहते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर भारत सरकार लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में यह भी कहा कि भारत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करता है। उन्होंने तनाव कम करने (डी-एस्केलेशन) पर जोर दिया और कहा कि सभी पक्षों को मिलकर शांति बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए।

भारत अपने नागरिकों को निकालेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी जंग पर कहा कि वहां हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं। मोदी ने सोमवार दिल्ली में हैदराबाद हाउस में मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद यह बात कही। इधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। श्रीनगर के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी।

कृष्णा वाटिका रिसॉर्ट में जुआ खेलते 16 आरोपी गिरफ्तार, 25 लाख से अधिक की सामग्री जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के थाना अमलेश्वर क्षेत्र स्थित कृष्णा वाटिका रिसॉर्ट में जुआ खेलते 16 जुआरियों को पुलिस ने पकड़ा है। यहां से पुलिस ने 3 लाख 59 लाख 470 रुपए जब्त किए हैं। साथ ही 22 मोबाइल फोन, 3 मोटरसाइकिल एवं 3 चारपहिया वाहन जब्त किया है। जब्त सामग्री की कीमत 25 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है।

दरअसल अमलेश्वर पुलिस को सूचना मिली कि कृष्णा वाटिका रिसॉर्ट में कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक कर थाना अमलेश्वर पुलिस टीम एवं एसीसीयू टीम द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान 16 व्यक्तियों को जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा गया। सभी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

पति-पत्नी ने सड़क किनारे पेड़ पर लगाई फांसी बिलासपुर में एक ही फंदे से लटकती मिली लाशें

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में देर रात पति-पत्नी का शव एक पेड़ पर फंदे से लटकता मिला है। दोनों ने एक ही फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी शादी करीब एक साल पहले हुई थी। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान जयरामनगर परसदा के रहने वाले प्रकाश यादव (26) और पूर्णिमा यादव (22) के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार साल भर पहले ही गतौरी की रहने वाली पूर्णिमा से प्रकाश यादव की शादी हुई थी। वे चिंगराजपारा स्थित कदमपारा में किराए के मकान में रहते थे। प्रकाश रोजी-मजदूरी करता था।

पूर्णिमा अपने ससुर दिलहरण यादव से अलग रहना चाहती थी।इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद होते रहता था। रविवार रात भी दंपती का इसी बात पर विवाद हो गया दोनों अलग रहने के लिए राजी भी हो गए, जिसके बाद सामान भी पैक कर लिया। इसके बाद दंपती बाहर निकले। फिर सड़क किनारे नीम पेड़ पर फांसी लगा ली।

सूचना मिलते ही सरकंडा टीआई प्रदीप आर्या अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास को लोगों से पूछताछ की। फिलहाल, पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार, पति-पत्नी के गले में एक ही कपड़े का फंदा लगा था। मामले में मिर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

ईरान-इस्राइल टकराव: यूएई में फंसे कई पंजाबी

फ्लाइटें कैंसिल होने से देश नहीं लौट पा रहे पर्यटक, विदेश मंत्रालय से मदद की अपील

नईदिल्ली ए.। ईरान-इस्राइल टकराव के बीच कई पंजाबी परिवार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंस गए हैं। इनमें से ज्यादातर पर्यटक हैं जो अलग-अलग देशों में घूमने गए थे लेकिन फ्लाइट्स रद्द होने के कारण वह देश नहीं लौट पाए।

पंजाब के एनआरआई मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने यूएई में फंसे पीड़ितों से फोन पर बात की। एक परिवार ने उन्हें बताया कि एयरपोर्ट में 60 से 70 पंजाबी परिवार उनके साथ थे। वह वहां घूमने गए थे। शनिवार को उनकी शारजाह से अमृतसर के लिए फ्लाइट थी लेकिन इस बीच वहां से फ्लाइट्स बंद कर दी गई। उन्होंने दूतावास से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन हो नहीं पाया है क्योंकि नंबर व्यस्त आ रहा है।

डॉ. रवजोत ने विदेश मंत्री जयशंकर को लिखा पत्र

पंजाब के एनआरआई मंत्री डॉ. रवजोत ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने वहां फंसे पंजाब के लोगों को सुरक्षित देश लाने की मांग की है। पत्र में लिखा है कि स्थिति बहुत चिंताजनक है जिसे लेकर जल्द एक बैठक बुलाई जानी चाहिए ताकि वहां फंसे लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए तुरंत उचित कदम उठाए जा सके।

मौजूदा संकट के कारण उन्हें मदद की जरूरत: अमरिंदर सिंह

इसी तरह पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि मिडिल ईस्ट के विभिन्न देशों में पंजाबियों सहित हजारों भारतीय काम करते हैं लेकिन मौजूदा संकट के कारण उन्हें मदद की जरूरत है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से अपील करता हूं कि वे लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का प्रबंध करें।

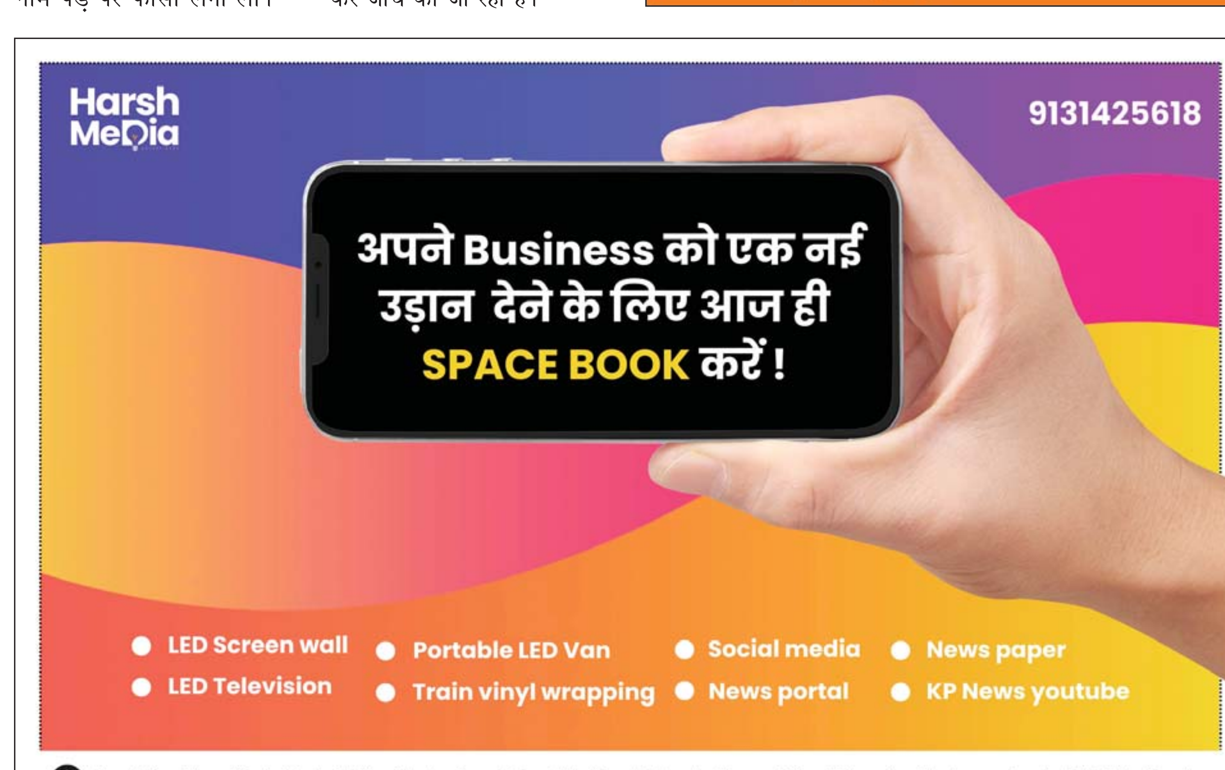

संपादकीय

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

अर्थव्यवस्था व विदेश नीति होगी प्रभावित

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

> "वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफबढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा। भारत इस समय ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का दावा करता है और फिलहाल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान भी पिछले साल ब्रिक्स का सदस्य बन चुका है। ऐसे में क्या भारत इस हमले का विरोध करने की स्थिति में है? भारत ईरान से पुराने संबंधों के चलते क्या अमेरिका से दूरी बना सकता है?

ईरान पर हमले से बढ़ेगा मध्यपूर्व का संकट

पुष्परंजन

ओमान को भी लगा है कि बातचीत के धोखे में ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई, उनके परिवार और दूसरे टॉप ईरानी अधिकारियों की हत्या सीआईए और मोसाद के बीच इंटेलिजेंस शेयरिंग के बाद हुई। अली ख़ामेनेई की सत्ता पलटी जा सकती थी, उन्हें मारना ट्रंप-नेतन्याहू की 'कूटनीतिक मिसफायर' है। वो सद्दाम हुसैन नहीं थे।

शनिवार को हुए हमलों में कम से दो सौ से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें दक्षिणी ईरान के एक स्कूल में हुए 80 से ज़्यादा लोग शामिल हैं। अमेरिका में इस हमले के हवाले से जो पोल कराया गया, उससे स्पष्ट हुआ कि केवल 33 फीसद लोग ईरान पर आक्रमण के पक्ष में थे। डेमोक्रेटिक हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीस ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमला करने से पहले कांग्रेस से मंज़ूरी लेने में नाकाम रहे थे।' ट्रंप को कन्विंस करना होगा कि ईरान पर कार्रवाई के बाद अमेरिकन्स सुरक्षित हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय मिडल ईस्ट में फंसे अपने नागरिकों को वहां से निकल लेने के कई विकल्प दे चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अस्तारा बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए अज़रबैजान में हमारे नागरिक बिना वीज़ा के आ सकते हैं, जो रोज़ सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक खुला रहता है। अगराक क्रॉसिंग से आर्मेनिया में भी बिना वीज़ा के एंट्री मिलती है। चीनी दूतावास के मुताबिक, 'वान, आगरी और हक्कारी प्रांतों में बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए तुर्की में ज़मीन के रास्ते खुले हैं, जहां चीनी पासपोर्ट होल्डर्स को भी बिना वीज़ा के आने-जाने की इजाज़त है। जो लोग इराक में घुसना चाहते हैं, वे शालमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए ऐसा कर सकते हैं, बशर्ते वे पहले से इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा ले लें, या पहुंचने पर टेम्परारी वीज़ा के लिए अप्लाई करें।'

मिडिल ईस्ट में कई एम्बेसी, जिनमें तुर्की, अज़रबैजान और इराक शामिल हैं, ने उन चीनी नागरिकों के लिए अधिसूचना जारी की हैं, जो ईरान से इन देशों में इवैक्युएट होना चाहते हैं। इससे एक बात तो नज़र आ रही है, कि मिडल-ईस्ट में लड़ाई लम्बी चलेगी। उसमें चीन और रूस की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। इनकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की रहेगी। युद्ध प्रभावित और ईरानी टारगेट वाले देशों में कोई 50 हज़ार रूसी नागरिक हैं। क़तर और बहरीन में कोई दो हज़ार रूसी नागरिकों को निकलने की चिंता क्रेमलिन को है। लेकिन चीन-रूस से कई गुना अधिक 97 लाख के क़रीब भारतीय नागरिक युद्ध प्रभावित गल्फ के देशों में हैं, उन्हें सुरक्षित निकालना आसान नहीं है।

इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल में हवाई हमले और धमाकों की खबर है। शिया मिलिशिया शरया उलिया अल-दाम ने उस जगह पर कब्ज़ा करने का दावा किया, जहां एक बड़ी फ्यूल स्टोरेज की जगह थी। मूवमेंट के मिलिट्री विंग के प्रतिनिधियों ने घोषणा की, कि इराक में अमेरिकी सैनिकों, प्रॉपर्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले जारी रहेंगे। कतर, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन और यूएई अमेरिकी मित्र और सैन्य ठिकानों वाले देश हैं। ईरानी ऑपरेशन में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या कथित तौर पर बढ़ गई है। कुवैत में एक बेस और बहरीन में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प के हमलों में सबसे ज़्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए। एक बात तो मान कर चलें, जिन-जिन देशों में अमेरिकी बेस हैं, वो मुल्क़ भी महफूज़ नहीं हैं। राजधानी दोहा के बाहर रेगिस्तान में 24 हेक्टेयर का अल उदीद एयर बेस, यूएस सेंट्रल कमांड का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर है, जो पश्चिम में मिस्र से लेकर पूर्व में कजाकिस्तान तक फैले इलाके में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन्स को डायरेक्ट करता है। मिडिल ईस्ट के सबसे बड़े अल उदीद बेस में करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक हैं। इसके अलावा कैंप आरिफजान में अमेरिकी सैनिकों का जमावड़ा है।

अमेरिकन आर्मी सेंट्रल का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर, अली अल सलेम एयर बेस को माना जाता है, जो इराकी बॉर्डर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है, और अपने ऊबड़-खाबड़ माहौल की वजह से 'द रॉक' के नाम से जाना जाता है। यूएस आर्मी की वेबसाइट के मुताबिक, कैंप ब्यूहरिंग 2003 के इराक युद्ध के दौरान बनाया गया था, और यह इराक और सीरिया में तैनात अमेरिकी आर्मी यूनिट्स के लिए एक स्टेजिंग पोस्ट है। अबू धाबी के दक्षिण में मौजूद अल धाफरा एयर बेस, अमेरिकी एयर फोर्स का एक अहम हब है। दुबई का जेबेल अली पोर्ट, मिडिल ईस्ट में यूएस नेवी का सबसे बड़ा पोर्ट ऑफ़ कॉल है, जहां नियमित रूप से अमेरिकी युद्धक विमान और दूसरे जहाज़ आते-जाते रहते हैं।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, 'अमेरिका, इराक के पश्चिमी अनबर प्रांत में ऐन अल असद एयर बेस पर अपनी उपस्थिति बनाए रखता है, जो इराकी सुरक्षा बलों को सपोर्ट करता है और नाटो मिशन में योगदान देता है।' 2020 में ईरानी मिसाइल हमलों में इस बेस को निशाना बनाया गया था। उत्तरी इराक के सेमी-ऑटोनॉमस कुर्दिस्तान इलाके में मौजूद, एरबिल एयर बेस अमेरिकी और मित्र सेनाओं के लिए ट्रेनिंग, एक्सरसाइज़ और बैटल ड्रिल करने के लिए एक हब के तौर पर काम करता है। यूएस कांग्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 'यह बेस उत्तरी इराक में ट्रेनिंग, इंटेलिजेंस शेयरिंग और लॉजिस्टिक कोऑर्डिनेशन में अहम भूमिका अदा करता है।'

सऊदी अरब के रियाद से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण में, प्रिंस सुल्तान एयर बेस पैट्रियट मिसाइल बैटरी और टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम सहित यूएस आर्मी के एसेट्स को सपोर्ट करता है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान से 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में अज़राक में, मुवफ़्फ़क़ अल साल्टी एयर बेस अमेरिकी एयर फ़ोर्स सेंट्रल के 332वें एयर एक्सपेडिशनरी विंग को होस्ट करता है, जो लाइब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस की 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'यह अमेरिकी सैन्य ठिकाना, 'लेवेंट मिशन' में शामिल है।'

इस हमले ने मिडल ईस्ट में मुस्लिम एकता को बांट रखा है। मिडल ईस्ट में अमेरिकी मित्र राष्ट्र एकजुट हैं, जिन्हें सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान समन्वित कर रहे हैं। प्रिंस सलमान ट्रंप के लगातार संपर्क में हैं। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और सीरिया के प्रेसिडेंट अहमद अल-शरा ने इलाके में चल रही मिलिट्री बढ़ोतरी पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस के पास ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से भी अलग-अलग कॉल आए, जिसमें किंगडम और दूसरे खाड़ी देशों को टारगेट करने पर चर्चा हुई। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल में अब तक सिर्फ ओमान ही ऐसा देश है, जिस पर ईरान ने हमला नहीं किया है।

ओमान ने कई सालों तक ईरान और दूसरे देशों के बीच संपर्क का काम किया है। जिनेवा में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत में ओमान ने अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन, ओमान को भी लगा है कि बातचीत के धोखे में ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई, उनके परिवार और दूसरे टॉप ईरानी अधिकारियों की हत्या सीआईए और मोसाद के बीच इंटेलिजेंस शेयरिंग के बाद हुई। अली ख़ामेनेई की सत्ता पलटी जा सकती थी, उन्हें मारना ट्रंप-नेतन्याहू की 'कूटनीतिक मिसफायर' है। वो सद्दाम हुसैन नहीं थे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दूसरे की बर्बादी से हासिल की गई सम्पत्ति एक खोखली जीत की तरह

एन. रघुरामन

एक बार एक व्यक्ति ने एक गोरैया को पकड़ लिया। गोरैया ने उससे जीवन की भीख मांगी और कहा कि बदले में वह उसे तीन ऐसी सीख देगी, जो उसके जीवन को बेहतर बना देंगी। गोरैया ने चहकते हुए कहा पहली सीख मैं तुम्हें तब दूंगी जब तुम मुझे मुक्त करोगे, दूसरी जब मैं उस सामने वाले पेड़ पर बैठूंगी और तीसरी जब मैं आकाश में उड़ जाऊंगी। व्यक्ति ने उत्सुकता से उसे छोड़ दिया।

गोरैया पास की एक बाड़ पर जा बैठी और उसे पहली सीख दी : बीते हुए पर कभी दु:ख मत करो; यह समय की बर्बादी है। व्यक्ति ने कंधे उचकाते हुए कहा कि वह ऐसी बातें पहले से जानता है। फिर गोरैया उड़कर एक ऊंची डाल पर जा बैठी और दूसरी सीख दी : किसी पर भी विश्वास मत करो, चाहे वह कितना ही निकट क्यों न हो, जब तक तुम अपनी आंखों से सत्य न देख लो।

इस बार भी व्यक्ति ने इसे सामान्य बात समझकर टाल दिया। तब पक्षी ने नीचे झांककर कहा, तुमने एक बड़ी भूल कर दी। मेरे शरीर के भीतर दो विशाल हीरे हैं। यदि तुमने मुझे मार दिया होता, तो तुम धरती के सबसे धनी व्यक्ति होते। उस व्यक्ति का दिल बैठ गया। वह विलाप करते हुए अपनी भूल पर पछताने लगा। फिर उसने ऊपर देखा और तीसरी सीख के लिए याचना की, यह उम्मीद करते हुए कि कम से कम वही उसके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पक्षी ने कहा- मैं तुम्हें तीसरी सीख क्यों दूं तुमने पहली दो सीखों को तुरंत अनदेखा कर दिया। तुमने बीती हुई बात पर दु:ख जताया और असम्भव पर भी विश्वास कर लिया कि एक गोरैया के भीतर दो विशाल हीरे हो सकते हैं। मनुष्यों ने अपनी प्रगति के लिए ज्ञान अर्जित किया था और भौतिक सम्पदा इकट्ठा की थी, लेकिन उसे उपयोग में लाने का विवेक उसने गंवा दिया है। यह कहकर पक्षी उड़ गया। इस बोधकथा की याद मुझे इस शुक्रवार बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्णय को पढ़ते समय आई।

मामला एक ऐसे पुत्र से संबंधित था, जिसने हीरों' जैसी पैतृक सम्पत्ति के लालच में अपने पिता की सम्पत्ति के एक-तिहाई हिस्से पर दावा ठोक दिया। जब पिता ने प्रतिरोध किया तो पुत्र ने तर्क देने या पारिवारिक कर्तव्य की आड़ लेने के बजाय कानून के अपने ज्ञान को हथियार बना लिया और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम (एमएचए) के प्रावधानों को लागू कराने के लिए याचिका दायर की। उसने एक स्वतंत्र मूल्यांकन की मांग की, ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि उसके पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और इस प्रकार उसे चुनौती देने की उन वृद्ध व्यक्ति की कानूनी क्षमता तक छीन ली जाए।

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति फरहान दुबाश ने इस चाल को भांप लिया। उन्होंने कहा कि पुत्र की याचिका कानूनी प्रतिरोध की जड़ पर प्रहार करने की साफ कोशिश थी। एमएचए को कमजोर और असुरक्षित व्यक्तियों की रक्षा के लिए ढाल के रूप में बनाया गया था। लेकिन पुत्र ने उसे अपने पिता की कानूनी स्थिति को समाप्त करने के लिए तलवार की तरह इस्तेमाल करने का प्रयास किया।

पुत्र के लिए पिता अब अभिभावक नहीं रहे थे, बल्कि सम्पत्ति के मार्ग में एक बाधा भर थे और उसके तमाम हथकंडे लालच से उत्पन्न हुए थे। यह कानूनी संघर्ष उस पक्षी की चेतावनी की पुष्टि करता है कि मनुष्य ने भौतिक प्रगति के लिए ज्ञान तो पा लिया है, पर अपनी सूझबूझ खो दी है। गोरैया हो या कोई और पक्षी, वो अपने बच्चों को पालने के लिए कभी किसी अन्य पक्षी का घोंसला नष्ट नहीं करते।

लेकिन जब एक पुत्र अपने पिता की सोच में कानूनी खामी तलाशने लगता है और परिवार की विरासत को हथियाने योग्य सम्पत्ति के रूप में देखने लगता है, तो वह सिद्ध कर देता है कि वह पक्षी सही था। 10 मार्च 1876 को ग्राहम बेल ने टेलीफोन का आविष्कार किया था। 1887 में जर्मन-अमेरिकी आविष्कारक एमिल बर्लिनर ने फ्लैट डिस्क ग्रामोफोन बनाया था। 3 अप्रैल 1973 को मोटोरोला के इंजीनियर मार्टिन कूपर ने पहला हैंडहेल्ड मोबाइल फोन विकसित किया था।

आवाज के क्षेत्र में ये सभी आविष्कार इसलिए सम्भव हुए थे, क्योंकि मानव प्रजाति के पास ज्ञान था। लेकिन जब उसी मानव प्रजाति का एक पुत्र उसी घर में रह रहे पिता की आवाज सुनने में नाकाम हो जाता है, तो एक गोरैया भी समझ जाती है कि हमने अपनी बुद्धि खो दी है।

फंडा यह है कि धन का लोभ सबसे शिक्षित' व्यक्ति को भी क्षण भर में बुनियादी तर्कशीलता और नैतिक सिद्धांतों के प्रति अंधा बना सकता है।

सहज जीवन से ही सुकून - शांति की प्राप्ति

डॉ. मधुसुदन शर्मा

सरलता का जीवन, वह धरा है, जहां संवेदनाओं की फसल निरंतर लहलहाती रहती है। सही मायनों में सहजता ही वह उर्वर शक्ति है, जो हमारे व्यक्तित्व को 'बंजर' होने से बचाने में सक्षम है।

यह समय की विसंगति ही कही जाएगी कि आर्थिक तरक्की और समृद्धि के बावजूद हमारे व्यवहार में कृत्रिमता का गहरा दखल हो गया है। किसी नजदीकी व्यक्ति से बातचीत करते हुए दिमाग में जोर डालना पड़ता है कि इस व्यक्ति की बात का वास्तविक अर्थ क्या है। यह भी कि अपने हितों की पूर्ति के लिए उसके व्यवहार में बदलाव क्यों व कैसे आ जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो हम देश-काल-परिस्थिति और अपनी जरूरतों के मुताबिक व्यवहार बदलते रहते हैं। व्यक्तित्व की जटिलता को विशिष्टता मानने का भ्रम मानवीय व्यवहार की विसंगति बनती जा रही है, जिसके लिये हम तमाम तरह के आडंबर व प्रपंच करते नजर आते हैं। हम आध्यात्मिक व धार्मिक होने का प्रदर्शन तो करते हैं लेकिन सही मायनों में हमारे कार्य व्यवहार में वो नजर नहीं आता है। आखिर व्यक्ति को अपने सामाजिक दायरे में ये गिरगिटी रंग क्यों बदलने पड़ते हैं? आखिर व्यक्ति क्यों स्वाभाविक जीवन नहीं जी पाता?

समय की विडंबना है कि सच बोलने से पहले व्यक्ति दस बार उसके नफे-नुकसान का आकलन करता है। यहां तक कि आत्मीय संबंधों में भी 'सहज संवाद' के बजाय व्यक्ति नफे-नुकसान का गणित देखता रहता है। सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में हानि-लाभ का गणित तलाशना हमारी आदत बन जाती है। ऐसा लगता है, जैसे जीवन सामाजिक व्यवहार के बजाय मुनाफे की दुकान बनकर रह गई हो। हम भूल जाते हैं कि सामाजिक व्यवहार कोई गणित का सवाल नहीं है, जिसे नफे-नुकसान के तराजू में तौला जा सके। दिखावे की इस दुनिया और आडंबरपूर्ण जीवन के बीच, कवि पं. भवानी प्रसाद मिश्र हमें चेताते हुए कहते हैं—

'तुम बंजर हो जाओगे/ यदि इतने व्यवस्थित ढंग से रहोगे/ यदि इतने सोच समझकर बोलोगे/ चलोगे/ कभी मन की नहीं कहोगे/ सच को दबाकर झूठे प्रेम के गाने गाओगे/ तो मैं तुम से कहता हूं,/ तुम बंजर हो जाओगे!'

सही मायनों में यहां बंजर होने से कवि का तात्पर्य मनुष्य द्वारा अपनी 'सहजता' को खो देना है। यह उस आंतरिक शून्यता की ओर उन्मुख होने का संकेत है, जहां मनुष्य के भीतर से प्रेम, करुणा और संवेदनाओं का स्रोत सूख जाता है। कवि की ये पंक्तियां नफे-नुकसान के सम्मोहन को त्यागने की बात करती है।

कवि जिस बंजरपन से बचने की बात करता है, उसका समाधान केवल और केवल 'जीवन की सहजता' में निहित है। प्रश्न उठता है कि यह जीवन की सहजता आख़िर है क्या? क्या यह सरल होना मात्र है या कुछ और? दरअसल, सहजता का अर्थ है, मनुष्य का मूल व्यवहार। वह जो मनुष्य मूल प्रकृति है, जो हमारी कृत्रिमता, प्रदर्शन की इच्छा या 'लोग क्या कहेंगे' के भय से मुक्त है। सहज व्यक्तित्व में कोई जटिलता नहीं होती और अंदर कोई दोहरा व्यक्तित्व भी नहीं पलता। सहज व्यक्ति अपनी कमियों और खूबियों के साथ को स्वीकार करता है। हां, सहजता का अर्थ प्रमाद, अनुशासनहीनता या अनियंत्रित होना बिल्कुल नहीं है।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अपने मूल स्वभाव को छोड़कर किसी दूसरे के छद्म व्यवहार का अनुसरण सर्वथा त्याज्य है। यहां 'स्वधर्म' का अभिप्राय किसी कर्मकांड से नहीं, अपितु हमारी उस 'मौलिक प्रकृति' से है, जिसके साथ हमारा अस्तित्व स्पंदित होता है। यदि मनुष्य अपनी मौलिकता के व्यवहार में जीवन जीता है तो वह स्वस्थ जीवन भी जी सकता है। निर्विवाद रूप से हमारे जीवन का वास्तविक सौन्दर्य सहजता में ही निहित है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर हम सहज क्यों नहीं रह पाते? दरअसल, इस असहजता की जड़ें हमारे उस मनोविज्ञान में निहित हैं, जहां हम स्वयं की एक आदर्श छवि गढ़ने की कोशिश में रहते हैं। हम स्वयं को अत्याधिक बुद्धिमान, संस्कारवान या फिर सफल दिखाने के सम्मोहन में बंध जाते हैं। फिर इसी गढ़ी हुई छवि को बनाए रखने का निरंतर दबाव हमें भीतर ही भीतर कमजोर बना देता है। हमें निरंतर यह भय सताने लगता है कि यदि हम अपने मौलिक स्वरूप में दिखे तो समाज हमें कमजोर या सामान्य न समझ ले ।

दरअसल, सहजता के मार्ग में दूसरी बड़ी चुनौती व्यक्तित्वों की 'तुलना' है। सही मायनों में हम दूसरों से स्वयं की तुलना करके हम अपने जीवन की स्वाभाविक लय को खो देते हैं। इसके अतिरिक्त कई बार माता-पिता द्वारा बच्चों की दोषपूर्ण परवरिश भी उसकी मौलिक प्रकृति को प्रभावित करती है, जो उसक सहज जीवन जीने में बाधा उत्पन्न करती है।

सहजता की ओर लौटने में 'स्वयं की स्वीकार्यता' ही सबसे महत्वपूर्ण सोपान है। हमें स्वयं को उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए जैसे हम वास्तव में हैं। जब हम अपनी वास्तविकता को स्वीकार कर लेते हैं तो हम दूसरों के सामने बेझिझक अपनी मौलिकता और सहजता के साथ खड़े नजर आ सकते हैं। दूसरे, सहज रहने के लिए यह भी अनिवार्य है कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर न हो। हमारे शास्त्र भी कहते हैं—'यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रिया'। अर्थात जैसा हमारा चित्त हो, वैसी ही हमारी वाणी हो और जैसी हमारी वाणी हो, वैसा ही हमारा आचरण हो।

प्रकृति का एक शाश्वत नियम है—'जो वास्तविक है, वही सुंदर है।' इसलिए स्वयं को दिखावे से मुक्त रखें। अपनी एक कृत्रिम छवि गढ़ने के लिए अपनी ऊर्जा को व्यर्थ न गवांयें । सहज जीवन वह भूमि है जहां संवेदनाओं की हरियाली सदैव लहलहाती रहती है। वास्तव में, सहजता ही वह उर्वर शक्ति है जो हमारे व्यक्तित्व को 'बंजर' होने से बचाती है।

मानव और दहेज दानव

दहेज़ की समस्या शाश्वत रूप से हमारे समाज में व्याप्त है। समाज में अगर वर्ग भेद नहीं होता, सभी लोगों का आर्थिक स्तर एक सा होता तो शायद यह समस्या भी नहीं होती। पहले के युग में कम उम्र में बच्चों की शादियां कर दी जाती थीं। कम उम्र के लड़कों पर घर गृहस्थी की ज़िम्मेदारी डाल दी जाती थी। लड़कियों का पिता की सम्पत्ति में कोई अधिकार नहीं होता था इसलिए वे अपनी बेटी को विवाह के समय यथा सामर्थ्य इतना सामान दे देते थे कि उनकी गृहस्थी की गाड़ी सुचारु रूप से चल सके।

यह एक स्वस्थ परम्परा थी, लेकिन कालांतर में इसमें विकार आने लगे। अमीर घर की लड़कियों को मिलने वाली दहेज़ की राशि और सामान को देख-देख कर लोगों में अजब तरह की ईर्ष्या और होड़ की भावना पनपने लगी और दहेज़ लोभियों ने अपनी बहुओं को मायके से और पैसा और कीमती सामान लाने के लिए दबाव डालना शुरू किया। यातनाएं दी जाने लगीं। यह दहेज़ प्रथा का विकृत स्वरूप था। दहेज़ विरोधी कानून बने, बच्चों की शादी की उम्र भी बढ़ा दी गई, लेकिन दहेज़ के दानव से पीछा नहीं छूटा।

लड़कियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नए क़ानून बने जिनमें पिता की सम्पत्ति में उसका भी बराबर का हिस्सा सुरक्षित किया गया लेकिन इसकी वजह से परिवार में ही आंतरिक विघटन और क्लेश का वातावरण बन गया।

दोनों घरों में स्वामित्व का हक मिलने पर भी उसे दोनों जगहों से संत्रास झेलना पड़ता। इन सारी बातों के अलावा शादी विवाह में इतना दिखावा और फिजूलखर्ची का चलन हो गया कि औसत आमदनी के व्यक्ति के लिए ऐसी आडम्बरपूर्ण शादियां करना बिलकुल बस के बाहर हो गया। इस समस्या का निदान क़ानून बनाने से नहीं होगा। क़ानून तो पहले से मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन कहां होता है। इसके लिए समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों को ही मिलजुल कर पहल करनी होगी।

निस्संदेह, शादियां सादगी के साथ होनी चाहिए। उपहारों के लेन देन का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। इस व्यवस्था से दहेज़ लोभी लोगों की मानसिकता में ज़रूर फक आएगा। जो खर्च वे स्वयं नहीं कर सकते उसके लिए बहू के घरवालों पर दबाव डालते हैं। शादियां सादगी से की जाएंगी तो बेवजह के दिखावे और शान शौकत के प्रदर्शन में किये जाने वाले खर्चों में भी कमी आएगी और इससे कई परिवारों को ज़रूर राहत मिलेगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

दिवंगत महामानव दिनेश के दान से दो लोगों को मिलेगी आंखों की रौशनी, नवदृष्टि फाउंडेशन की पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नवदृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से दुर्ग के मधुबन नगर निवासी स्वर्गीय श्री दिनेश कुमार जैन के निधन उपरांत उनके नेत्रदान की प्रेरणादायी प्रक्रिया संपन्न हुई। उनके नेत्रदान से दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नेत्रज्योति प्राप्त होगी। यह जैन परिवार की संवेदनशीलता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

श्री दिनेश जैन के निधन के पश्चात उनकी धर्मपत्नी बबिता जैन, पिता शांतिलाल गोधा, पुत्र साहिल जैन, डॉ. राहिल जैन, पुत्री खुशबू जैन तथा भाई राजेश, राकेश एवं पूनम जैन की सहमति से नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, चेतन जैन, सपन जैन, प्रभुदयाल उजाला एवं राजीव अग्रवाल मधुबन नगर स्थित निवास पर उपस्थित रहकर नेत्रदान की व्यवस्था संभाली।

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की डॉ. श्रीया पंजवानी, डॉ नीलांजना

टोप्पो, डॉ विधि अग्रवाल,डॉ विनम्र झा एवं नेत्र प्रभारी विवेक कसार ने श्री जैन के निवास स्थान पहुंचकर कॉर्निया संकलित किए।

स्वर्गीय श्री जैन के पुत्र डॉ. राहिल जैन ने कहा कि पिता के असामयिक निधन से पूरा परिवार और समाज गहरे शोक में है। ऐसे कठिन समय में नेत्रदान का निर्णय लेना अत्यंत भावुक क्षण था, किंतु गोधा परिवार पूर्व में भी नेत्रदान कर चुका है। समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए यह निर्णय लिया गया, जिससे दो नेत्रहीन व्यक्तियों का जीवन आलोकित होगा और पिता की स्मृतियां सदैव जीवित रहेंगी।

चेतन जैन ने कहा कि दिनेश जैन समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। कम उम्र में उनके निधन से समाज के सभी वर्गों में शोक की लहर है। ऐसे कठिन समय में परिवार द्वारा लिया गया नेत्रदान का निर्णय निश्चित ही समाज में जागरूकता बढ़ाएगा। नेत्रदान प्रक्रिया के दौरान मधुबन नगर स्थित निवास पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और नम आंखों से इस पुण्य कार्य के साक्षी बने।

प्रमुख खबरें

आचार्य श्री के 66 वें अवतरण दिवस पर भव्य आयोजन

दुर्ग। आचार्य भगवंत श्री जिनमणि प्रभ सुरीश्वर जी के 66 वें अवतरण दिवस हर्ष और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। छातागढ़ स्थित गौशाला में गायों को चारा एवं रोटी खिलाकर जीवदया का संदेश दिया गया। पुराना बस स्टैंड में भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषर्द के तत्वावधान में संपन्न हुआ जिसमें दुर्ग में मूर्ति पूजक संध के कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजनांदगांव के इस गांव न रावण जलता है न होलिका

उपरवाह। राजनांदगांव जिले से 24 किलोमीटर की दूरी घुमका के ग्राम पंचायत ग्राम सलोनी है। इस गांव की आबादी लगभग 1300 से अधिक है। यहां वर्षों से होलिका दहन व रावण पुतला दहन नहीं किया जाता। वर्तमान में इस गांव में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो होलिका दहन या रावण पुतला दहन देखा हो। सेवानिवृत प्राचार्य सुंदर सिंह मरकाम (85) ने बताया कि उनके पिता स्व. मदन सिंह मरकाम ख्याति तांत्रिक (बैगा) थे। कहा था कि गांव में यदि होलिका दहन और रावण पुतला दहन किया गया तो भयंकर बीमारियां, माता का प्रकोप, दैवीय प्रकोप फैल जाएगा।

स्कूली बच्चों के लिए बायोमेट्रिक अपडेट अभियान

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में आधार कार्ड के सुदृढ़ीकरण और बच्चों के डेटा अपडेशन के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट अभियान चलाया जा रहा है। जिले में कुल 23,905 मामले लंबित हैं, जिन्हें समय सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 50,000 से अधिक बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है। अक्टूबर 2025 से फरवरी 2026 तक जिले में कुल 1,549 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से 52,742 बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट पूर्ण किया गया। 495 नए आधार कार्ड बनाए गए हैं और 7,047 अन्य आधार सुधार के कार्य भी संपन्न किए गए हैं।

दर्रा गांव में फाग और झांकी स्पर्धा आयोजित

उपरवाह। ग्राम पंचायत अऊरदा के आश्रित ग्राम दर्रा में आयोजित दो दिवसीय फाग व झांकी प्रतियोगिता का समापन हुआ। मुख्य अतिथि किरण विनोद बारले थीं। अध्यक्षता अनिता डीगेंद्र सिन्हा ने की। घुमका व तिलई भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा, परदेशी सोनबोईर शामिल हुए।

बीएसपी टाउनशिप में सुव्यवस्था ड्राइव हटाए बैनर-पोस्टर, सुअरों की भी छुट्टी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अंतर्गत कार्यरत प्रवर्तन अनुभाग द्वारा भिलाई टाउनशिप क्षेत्र में अवैध कब्जों के विरुद्ध फरवरी माह में व्यापक एवं सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 60 आवासों को अवैध कब्जेदारों से मुक्त कराया गया। इनमें 5 ऐसे आवास भी शामिल थे, जिनके संबंध में संपदा न्यायालय द्वारा डिक्री जारी की जा चुकी थी।

कार्रवाई के अंतर्गत लगभग 15,000 वर्गफुट भूमि को भी अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया। साथ ही शहर के सौंदर्य एवं स्वच्छता को बनाए रखने टाउनशिप क्षेत्र में अनधिकृत रूप से लगाए गए लगभग 800 पोस्टर्स एवं 15 होर्डिंग संरचनाओं को हटाया गया।

रोड सेफ्टी एवं यातायात सुगमता को ध्यान में रखते हुए मुख्य मार्गों एवं प्रमुख चौक-चौराहों से अवैध ठेले, कैनोपी एवं दुकानों को हटाया गया। इन संवेदनशील क्षेत्रों में प्राइम टाइम के दौरान विशेष निगरानी भी सुनिश्चित की गई। मुख्य मार्गों से 11

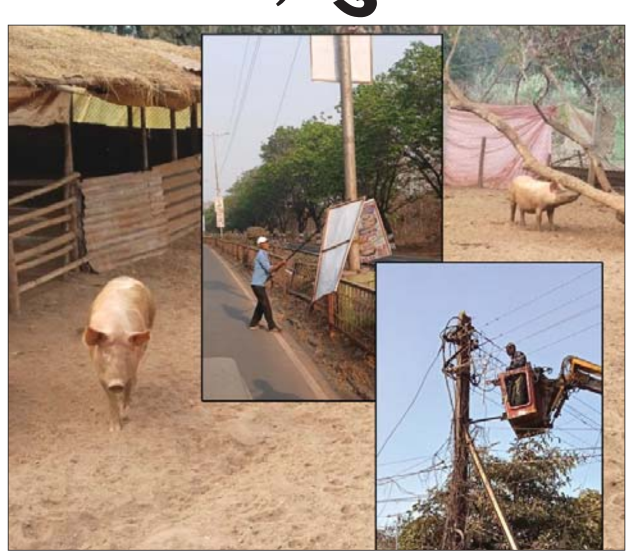

आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान भेजा गया। सुअरों की भी धरपकड़ की गई।

इसके अतिरिक्त प्रवर्तन अनुभाग की सजग टीम द्वारा मैत्रीबाग फ्लावर शो के दौरान यातायात एवं भीड़ नियंत्रण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया गया। भिलाई टाउनशिप में आयोजित हाफ मैराथन के पूर्व एवं आयोजन दिवस पर आधारभूत व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन तथा यातायात नियंत्रण में भी प्रवर्तन अनुभाग ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। सिविक सेंटर क्षेत्र में विद्युत बिलों के लंबित भुगतान के प्रकरणों में दुकानों के विद्युत कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई में भी प्रवर्तन टीम सक्रिय रूप से संलग्न रही।

यह समस्त कार्यवाही मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता के मार्गदर्शन तथा सहायक महाप्रबंधक (प्रवर्तन) रेमी थॉमस के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई। अभियान में उप प्रबंधक (प्रवर्तन) एवं हिंदी समन्वय अधिकारी मुकुंद दास मानिकपुरी, सहायक प्रबंधक (प्रवर्तन) देवानंद चौहान, संपदा निरीक्षकगण राममूर्ति, रमाकांत यादव, भगवान, लल्लन सिंह, बलराम शुक्ला, अजय मिश्रा, कुतुबुद्दीन कुरैशी, ज्ञानचंद जैन, नीरज बाली, राम सहित ट्रेड प्रशिक्षुओं तथा पुरुष एवं महिला गार्ड्स का सक्रिय योगदान रहा।

आगामी मार्च माह में भी आवासों के अवैध कब्जाधारियों, मुख्य मार्गों एवं चौक-चौराहों पर संचालित अवैध ठेलों/दुकानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा संभावित क्षति से बचने हेतु अवैध कब्जाधारियों से अपील की जाती है कि वे स्वेच्छा से अपने सामान सहित आवास/क्षेत्र खाली कर दें।

साथ ही, लंबित विद्युत बिलों के प्रकरणों में विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। संबंधित उपभोक्ताओं से समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। सभी पुराने दुकानदारों से भी अनुरोध है कि वे छह माह के मौसमी लाइसेंस की प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

पटरीपार मुक्तिधाम का उन्नयन व सर्वसुविधायुक्त सामाजिक भवन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के विकास और जन-सुविधाओं के विस्तार की कड़ी में वार्ड क्रमांक 60 को एक बड़ी सौगात मिली। पटरीपार क्षेत्र में 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामाजिक भवन तथा रायपुर नाका स्थित मुक्तिधाम में 24.27 लाख रुपये की लागत से कराए गए सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन कार्यों का लोकार्पण किया गया। यह कार्य क्षेत्रवासियों के लिए बहुप्रतीक्षित सुविधा के रूप में सामने आया है।

महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों एवं वार्डवासियों की उपस्थिति में सामाजिक भवन का शुभारंभ किया। महापौर ने कहा कि नागरिकों की मांग के अनुरूप मुक्तिधाम से अलग सामाजिक भवन का निर्माण कराया गया है, ताकि विभिन्न सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर लोक कार्य प्रभारी देव नारायण चंद्रकार, पार्षद विद्यावती सिंह, सुरूचि उमरे, रंजीता पाटिल, नीरा खिचरिया, सावित्री दमाहे, जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह, उपअभियंता पंकज साहू, मण्डल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहें।

पटरीपार वार्ड क्रमांक 60 में निर्मित सामाजिक भवन में बर्थडे पार्टी, तेरहवीं, पारिवारिक कार्यक्रम एवं अन्य सामाजिक आयोजन सुगमता से किए जा सकेंगे। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि यह भवन सभी वर्गों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

रायपुर नाका स्थित मुक्तिधाम में 24.27 लाख रुपये की लागत से सर्व-सुविधायुक्त कक्ष, पूरे परिसर में पेवर ब्लॉक, मजबूत बाउंड्री वॉल तथा लाइट, शेड सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं उपलब्ध कराई गई है।

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 25 से 28 फरवरी तक प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन 'विज्ञान में महिलाएँ: विकसित भारत की संवाहक' विषय पर अत्यंत उत्साहपूर्वक किया गया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. सी. एस. रॉबिन्सन की उपस्थिति में आमंत्रित व्याख्यान में महिलाओं की सामाजिक, वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रथम दिवस सिंपोजियम में 12 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

द्वितीय दिवस पावर प्वाईंट प्रस्तुति प्रतियोगिता में 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक के रूप में डॉ. सतीश

सेन, शासकीय वीवाईटी विज्ञान महाविद्यालय एवं डॉ. हेमा कुलकर्णी, शासकीय मॉडल महाविद्यालय, धनोरा उपस्थित रहे। लिलेश्वरी साहू ने प्रथम, रुद्रानी विश्वास एवं साक्षी जांगड़े ने द्वितीय तथा आयुषी एवं काजल बारले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय दिवस विज्ञान प्रश्नोत्तरी में रसायनशास्त्र विभाग ने प्रथम, भौतिकी विभाग ने द्वितीय एवं वनस्पति विज्ञान विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चतुर्थ दिवस पर आमंत्रित वक्ता डॉ. रेणु महेश्वरी, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय भाटागांव रायपुर द्वारा विकसित भारत 2047, प्राचीन काल में चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका, इसरो में महिला वैज्ञानिकों का योगदान पर प्रस्तुति दी गई। विज्ञान पोस्टर में 16 प्रतिभागी एवं मॉडल प्रदर्शनी में 26 प्रतिभागी ने भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रणाली खोब्रागड़े प्रथम, लुकांक्षा वर्मा द्वितीय तथा निधि एवं विधि तृतीय स्थान पर रहीं। मॉडल प्रतियोगिता में आयुषी एवं कोमल प्रथम, खुशी चंद्राकर, माया साहू, तेजस्विनी एवं तारिणी द्वितीय तथा रजनीत कौर, सरिता महतो एवं रागिनी तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक डॉ. विजयलक्ष्मी नायडू एवं डॉ. मौसुमी डे, सहायक प्राध्यापक, शासकीय वीवाईटी पीजी महाविद्यालर्य रहे। समापन सत्र में सभी विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. मीरा गुप्ता एवं आयोजन समिति, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. लता मेश्राम, डॉ. यासमीन फातिमा परवेज, डॉ. मोहम्मद शोएब एवं अतिथि व्याख्याताओं के द्वारा हुआ तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुषमा यादव द्वारा किया गया।

नवविवाहित बीएसपी कर्मियों को विवाह उपहार देने की नई परंपरा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में वेडिंग गिफ्ट सम्मान समारोह का आयोजन कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) शांतनु देबसिकदार के मुख्य आतिथ्य में किया गया। यह कार्यक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र में कर्मचारियों के महत्वपूर्ण व्यक्तिगत पड़ावों को सम्मानित करने की परंपरा संगठन की समावेशी एवं सहयोगात्मक कार्य-संस्कृति का परिचायक है।

इस समारोह का उद्देश्य नवविवाहित कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करने के साथ-साथ संगठन और कर्मचारियों के

मध्य आत्मीय संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करना रहा।

श्री देबसिकदार ने नवविवाहित कर्मचारियों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल, सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली, गुणवत्ता मानकों के पालन तथा पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया।

शांति समिति की होली बैठक में बना 10 पाइंट प्रोग्राम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। होली पर्व को ध्यान में रखते हुए रविवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई, जिसमें होली को लेकर 10 अहम दिशा-निर्देश जारी किए गए। बिना अनुमति जुलूस या सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं होंगे। होलिका दहन स्थल में बदलाव भी बिना अनुमति संभव नहीं होगा। होलिका दहन के समय अग्नि सुरक्षा के सभी इंतजाम अनिवार्य रहेंगे। डीजे, लाउडस्पीकर के उपयोग को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अवाला अवैध तरीके से शराब बिक्री पर भी नजर रहेगी।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के अधिकतर स्थानों पर 2 मार्च की शाम से रात तक होलिका दहन होगा। सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। पेट्रोलिंग के माध्यम से लगातार निगरानी होगी। होली पर्व को आपसी भाईचारे, संयम एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाएं। अफवाहों पर ध्यान न दें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा संदिग्ध गतिविधि की सूचना

तत्काल पुलिस को 9479192099 और 112 पर दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

10 बिंदुओं पर विशेष दिशा-निर्देश जारी

बिना अनुमति जुलूस, होलिका दहन स्थल परिवर्तन अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम न किए जाएं। होलिका दहन स्थल पर अग्नि सुरक्षा के आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। डीजे ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग निर्धारित समय सीमा एवं ध्वनि मानकों के अनुरूप ही किया जाए।

नशे की अवस्था में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कठोर कार्यवाही की जाएगी। नशे की हालत में हुड़दंग/उपद्रव करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। आमजन 112 और 9479192099 टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक या सांप्रदायिक पोस्ट प्रसारित करने वालों के विरुद्ध बीएनएस/आईटी अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।

जबरन रंग लगाने, छेड़छाड़, मारपीट अथवा विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, बाज पार्टी एवं बाइक पेट्रोलिंग के माध्यम से त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

अवैध शराब बिक्री एवं सार्वजनिक स्थान पर नशा सेवन करने वालों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।

सभी वार्ड एवं ग्राम स्तर पर शांति समिति सदस्य स्थानीय समन्वय बनाए रखें तथा किसी भी विवाद की स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करें।

भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्युत संगठन में राजभाषा कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के वेलफेयर बिल्डिंग क्रमांक 1 स्थित विद्युत संगठन के सभागार में 26 फरवरी 2026 को विभाग प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) टीके कृष्णकुमार के मुख्य आतिथ्य एवं महाप्रबंधक (टेलीकॉम) प्रकाश की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यशाला आयोजित हुई।

विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाप्रबंधक (विद्युत) एवं विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारी रंजन कुमार पंडा ने बताया कि विभाग में अधिकाधिक कार्य हिंदी में किया जा रहा है तथा सभी एस.ओ.पी. एवं एस.एम.पी. को द्विभाषी कराया गया है। कार्यक्रम में राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी भाषा में मुहावरों पर आधारित एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 06 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया और पुरस्कार वितरित किए गए।

प्रथम पुरस्कार विजेता हुलास राम सिरमौर, महाप्रबंधक (दूरसंचार), द्वितीय पुरस्कार विजेता, रवीन्द्र कुमार महाप्रबंधक (पावर सिस्टम्स), तथा तृतीय स्थान पर चुनेश्वर नायक सहायक प्रबंधक (एच.एम.ई.) रहे। प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता अरिंदम कुमार डे, महाप्रबंधक (विद्युत), बिन्दू कुरूप, सहायक प्रबंधक (ई.आर.एस.) एवं संदीप कुमार वर्मा, उप प्रबंधक (ई.आर.एस.) रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

धरसीवां क्षेत्र की आर्द्रभूमियों को पक्षी अवलोकन केंद्र के रूप में विकसित करने की पहल

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले के धरसीवां विकासखंड अंतर्गत चयनित पांच ग्राम पंचायतों की आर्द्रभूमि स्थलों का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन के नेतृत्व में 1 मार्च को एक संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्थानीय पक्षी विशेषज्ञों की उपस्थिति में माँढर, गोढी, अकोली, बरबांदा एवं टोर ग्राम पंचायतों के आर्द्रभूमि क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य इन आर्द्रभूमि स्थलों का संरक्षण सुनिश्चित करते हुए स्थानीय ग्राम पंचायतों, स्व-सहायता समूहों एवं युवा समूहों की सहभागिता से इन्हें पक्षी अवलोकन केंद्र (बर्ड वॉचिंग सेंटर) के रूप में विकसित करना है। निरीक्षण के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, स्व-सहायता समूह के सदस्य, पंचायत सचिव एवं तकनीकी सहायक भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण के महत्व, स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण तथा इन स्थलों को पर्यावरणीय एवं पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। आगामी कार्ययोजना के तहत सीईओ धरसीवां आशीष केश्वरवानी के साथ पक्षी विशेषज्ञों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संरक्षण एवं विकास से संबंधित विस्तृत रणनीति तैयार की जाएगी।

आयुष्मान कार्ड महा अभियानः सूरजपुर जिले में बने 11,733 आयुष्मान कार्ड

सूरजपुर । आयुष्मान भारत योजना के तहत चलाए गए तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड महा अभियान का सूरजपुर जिले में सफल समापन हुआ। अभियान के अंतिम दिवस प्राप्त अंतिम आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 11,733 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय कार्ययोजना और जनभागीदारी का परिणाम है। महा अभियान के अंतिम तीन दिनों में कार्ड निर्माण की गति उल्लेखनीय रही। 26 फरवरी को 2,380 कार्ड, 27 फरवरी को 4,381 कार्ड तथा अभियान के अंतिम दिवस 28 फरवरी को प्राप्त अंतिम जानकारी तक 4,972 कार्ड बनाए गए। विशेष रूप से अभियान के आखिरी दो दिनों में कार्ड निर्माण में जबरदस्त तेजी देखी गई, जो जिले की स्वास्थ्य टीमों के समर्पित प्रयासों को दर्शाता है। महा अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक इस योजना का लाभ पहुंचाना था, जिसमें सूरजपुर जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

रायपुर में विरोध प्रदर्शन, ट्रंप और इजराइल के खिलाफ पोस्टर फेंके गए

रायपुर । मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई की संभावित मौत की खबरों के विरोध में राजधानी रायपुर में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इज़राइल के खिलाफ नाराज़गी जताते हुए सड़कों पर पोस्टर फेंककर विरोध दर्ज कराया। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने शहर के प्रमुख मार्गों पर इकट्ठा होकर नारेबाजी की और ट्रंप के पोस्टर सड़क पर फेंककर अपना विरोध प्रकट किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मध्य-पूर्व में हो रही घटनाओं के लिए अमेरिका और इज़राइल जिम्मेदार हैं। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून का पालन करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि शहर में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं उत्पादन में वृद्धि, कम लागत में अधिक मुनाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कृषि क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के विस्तार हेतु कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है। जशपुर जिले

के फरसाबहार विकासखण्ड के ग्राम बोखी के 60 वर्षीय कृषक श्री गणेश राम यादव इस प्रयास के प्रेरक उदाहरण हैं। वे पूर्व में परंपरागत देशी विधि से खेती करते थे, जिससे प्रति एकड़ लगभग 4 से 5 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त होती थी। चालू वर्ष में उन्होंने एसएमएसपी योजना अंतर्गत उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं की किस्म जीडब्ल्यू-322 का उत्पादन किया। आधुनिक पद्धति अपनाने से उन्हें प्रति एकड़ 7 क्विंटल उपज प्राप्त हुई तथा शुद्ध आय बढ़कर 16 हजार रुपये तक पहुंच गई।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, क्षेत्र फरसाबहार, श्रीमती शशिप्रभा भोय द्वारा किसानों को उन्नत तकनीक से खेती हेतु प्रेरित करते हुए गुणवत्तापूर्ण गेहूं बीज उपलब्ध कराए गए। फसल प्रदर्शन के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए क्षेत्र के अन्य कृषक भी आगामी वर्ष में उन्नत तकनीकी विधि अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं।

गणेश राम यादव ने बताया कि वे आगामी वर्ष में गेहूं की खेती अधिक रकबे में आधुनिक तकनीक से करेंगे तथा अन्य किसानों को भी इस पद्धति को अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे। यह प्रयास कृषि क्षेत्र में आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

माय भारत युवा संसद : रायपुर में युवाओं ने किया लोकतंत्र पर सार्थक मंथन

50 वर्ष आपातकाल पर विचार-विमर्श, 195 से अधिक युवाओं ने किया पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माय भारत एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में पं रवि शंकर शुक्ल विश्वविध्यालय में विकसित भारत युवा संसद 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था — आपातकाल के 50 वर्ष: भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख। इस अवसर पर युवाओं ने लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मूल्यों एवं नागरिक दायित्वों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

उद्घाटन सत्र में ए.के. श्रीवास्तव (प्रॉक्टरङ्कुल अनुशासक), प्रो. अशोक प्रधान (डीन, जीवन विज्ञान विभाग एवं कार्यपरिषद सदस्य), प्रो. सुनीता सनवारिया (साइंस कॉलेज) एवं अर्पित तिवारी, स्टेट डायरेक्टर, माय भारत उपस्थित रहे। अपने संबोधन में

अर्पित तिवारी ने कहा कि युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को नीति-निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना है, ताकि वे लोकतंत्र की मजबूती में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने बताया कि जिला स्तर से चयनित शीर्ष 5 प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा। निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता चंसोरिया (दुर्गा कॉलेज), प्रो. अमन झा (दुर्गा कॉलेज), प्रो. अलेख साहू (स्कूल ऑफ लॉ, पीआरएसयू), प्रो. अशोक प्रधान (डीन, जीवन विज्ञान एवं प्रोफेसर, मानवविज्ञान विभाग) तथा प्रो. कमलेश शुक्ला (प्रोफेसर, बायोटेक्नोलॉजी, पीटीआरयू) शामिल रहे। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों की तार्किक क्षमता एवं प्रस्तुति कौशल की सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सोमेश्वर प्रसाद गंजीर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि देश की मजबूती उसका सशक्त लोकतंत्र है, इसलिए आपातकाल के 50 वर्ष बाद हमें लोकतंत्र के मूल स्तंभों को और मजबूत करना चाहिए। द्वितीय स्थान पर डी. ज्ञानेश कुमार, तृतीय स्थान पर देवाशीष पटेल, चतुर्थ स्थान पर अवनी तथा पंचम स्थान पर अनुश्रुति कुम्भलकर रहीं। माय भारत पोर्टल के माध्यम से 195 से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कर इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति युवाओं की जागरूकता, सहभागिता और सकारात्मक सोच का प्रतीक बनकर उभरा।

किताबों से विज्ञान को निकालकर टेबल पर सजाया बच्चों ने

नवोदय विद्यालय के बच्चों ने विज्ञान की अवधारणाओं पर बनाए मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। आम तौर पर किताबों में थ्योरी तक सीमित रह जाने वाले विज्ञान की पढ़ाई को जवाहर नवोदय विद्यालय के नन्हें वैज्ञानिकों ने मॉडल के रूप में तैयार कर टेबल पर सजाया, ताकि विज्ञान की अवधारणाओं को सरल ढंग से समझाया जा सके। बच्चों ने एक से बढ़कर एक मॉडल तैयार किया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बच्चों के मॉडल्स की यह प्रदर्शनी विद्यालय परिसर में लगाई गई थी।

3 वर्गों में किए गए इस आयोजन में वरिष्ठ वैज्ञानिक, कनिष्ठ वैज्ञानिक और नन्हे वैज्ञानिक वर्गों में भाग लिया। प्रदर्शनी में वाटर सेंसर हाउस, अमेजिंग रिएक्शन इन केमिस्ट्री, एन्टी थेफ्ट सेक्युरिटी सिस्टम, वाटर प्यूरीफायर, स्मार्ट एग्रीकल्चर, एयर क्वालिटी डिटेक्टर आदि प्रमुख मॉडल समेत कुल 50 मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर बच्चों की प्रतिभा को सराहते हुए विशिष्ट अतिथि व एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कटेकल्याण के प्राचार्य कुलदीप सिंह ने कहा कि जिस देश का मैथ्स अच्छा होता है, वो देश बहुत आगे जाता है। उन्होंने अगली बार मॉडल निर्माण को लेकर जरूरी टिप्स देते हुए कहा कि आईडिया सिंपल लेकिन ओरिजिनल हो, चीज बहुत बड़ी न हो।प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार यादव ने कहा कि बच्चों व शिक्षकों की मेहनत काबिले तारीफ है। हार या जीत नहीं, भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।विद्यालय के विज्ञान विभाग से शिक्षक बलजीत सिंह, गनपत चौरसिया, फहिदा, कल्पना यादव , सौरभ ठाकुर और नरेश एरनम के मार्गदर्शन में मॉडल का निर्माण बच्चों ने किया । निशांत बी नायर और गुरदेव सिंह की प्रदर्शनी संचालन में महती भूमिका रही।इन्होंने मारी बाजी निर्णायक पैनल में शामिल कुलदीप सिंह, प्राचार्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कटेकल्याण, संदीप कुमार पीजीटी केमिस्ट्री एकलव्य आवासीय विद्यालय दंतेवाड़ा, श्वेता मौर्या, टीजीटी विज्ञान ने इन मॉडल्स का अवलोकन कर मूल्यांकन किया। जिसके आधार पर घोषित परिणाम के अनुसार वरिष्ठ वर्ग में कृष्टल और वैभव प्रथम, सौम्या, श्रेया और तेजस्विनी द्वितीय, वैभव सोम और यक्ष तृतीय, कनिष्ठ वर्ग में सिद्धार्थ यादव, गुरदीप कश्यप और अनिरुद्ध प्रथम, प्रांजल, जीवन और योगेश द्वितीय, मोक्षा और रिद्धि तृतीय, नन्हे वैज्ञानिक वर्ग में अमित, तमेश और गुलशन प्रथम, लक्ष्य, यथार्थ, भावेश द्वितीय, उज्ज्वल तृतीय स्थान पर रहे।जिले में भी लहराया परचम जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भी जवाहर नवोदय विद्यालय के 5 बच्चों ने भाग लिया।

साथ ही पोस्टर में तृतीय और मॉडल में प्रथम स्थान जिला स्तर पर प्राप्त किया, जिनमें अभिज्ञान का स्मार्ट ड्रिप इर्रीगेशन, चुरेन्द्र का एआई का प्रभाव, जतिन का रिड्यूस प्लास्टिक, प्रखर साहू का मेडिसीन रिमाइंडर मॉडल और राजकुमार का विकसित भारत पोस्टर शामिल था।

हृदय जांच शिविर में 172 बच्चों की स्क्रीनिंग 30 में हृदय रोग के लक्षण चिन्हित-निःशुल्क सर्जरी होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत प्रातः 10.00 बजे से 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु अस्पताल, जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में जिला स्तरीय विशेष हृदय रोग जांच (कार्डियक स्क्रीनिंग) शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में **MMI Narayana Hospital** रायपुर के कॉर्डियोलॉजिस्ट विशेषज्ञों एवं चिकित्सकीय दल द्वारा बच्चों की विस्तृत जांच की गई। हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के लिए आयोजित इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जिले के समस्त विकासखण्डों के चिरायु दल द्वारा चिन्हांकित बच्चों को जांच एवं उपचार हेतु मातृत्व शिशु अस्पताल लाया गया।

शिविर में एम.एम.आई. नारायणा रायपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत महरिया, प्रबंधक उपेन्द्र शुक्ला, खामेश्वर लहरे, ईको टेक्नीशियन वेदप्रकाश साहू तथा मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर से शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जे.के. रेलवानी, डॉ. के.आर. टेकाम, एचओडी डॉ. अविनाशी कुजूर, नोडल आरबीएसके डॉ. के.पी. विश्वकर्मा एवं डीईआईसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग गुप्ता उपस्थित रहे।

शिविर में 01 वर्ष से 14 वर्ष तक के कुल 172 बच्चों का पंजीयन किया गया। इनमें से 57 बच्चों की सफलतापूर्वक हृदय ईको जांच की गई, जिसमें 30 बच्चों में हृदय रोग के लक्षण पाए गए। चिन्हांकित बच्चों का निःशुल्क सर्जरी हेतु उपचार **MMI Narayana Hospital** रायपुर में किया जाएगा। शिविर के दौरान जिले के समस्त विकासखण्डों के चिरायु दल हितग्राहियों के साथ उपस्थित रहे। शिविर स्थल पर डॉ. सुमन, अस्पताल सलाहकार स्वास्ति शुक्ला तथा डीईआईसी प्रबंधक कमल नारायण सिंह की उपस्थिति में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से बच्चों में गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे बच्चों को स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य प्रदान किया जा सके।

ग्रामीणों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प जन-जागरूकता अभियान बना जनआंदोलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। वनमंडल बालोद के वनग्राम बड़भूम, परिक्षेत्र गुरूर में वन विभाग और अर्थ रिट्रीट फाउंडेशन द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा, मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में कमी और ग्रामीणों में सतत जागरूकता विकसित करना रहा।

अभियान के दौरान ग्रामीणों को वन्यजीवों से संभावित खतरों, सुरक्षा उपायों, संघर्ष की स्थिति में अपनाए जाने वाले व्यवहारिक कदमों तथा शासन की मुआवजा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मानव जीवन की सुरक्षा के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण को अभियान का मुख्य लक्ष्य बताया

गया। कार्यक्रम को जनसुलभ और प्रभावी बनाने के लिए विद्यार्थियों को लोकनृत्य, चित्रकला, पोस्टर, स्लोगन और रंगोली प्रतियोगिताओं से जोड़ा गया। कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश सरल भाषा में ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। इन नवाचारों से कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।कार्यक्रम में पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के उपयोग को बढ़ावा देने और वन संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। 'अर्थ रिट्रीट' की फाउंडर अनुभा द्विवेदी ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वर्मीकम्पोस्ट और स्वरोजगार के विषय में जानकारी दी। मुख्य अतिथि वनमंडल अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा हम और वन दोनों एक-दूसरे के मित्र हैं, यह मित्रता पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती रहे, यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने जल स्रोतों की सुरक्षा, जंगल में सतर्कता बरतने और किसी भी वन्यजीव गतिविधि की तत्काल सूचना विभाग को देने की अपील की। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष हीराबाई, एसडीओ साहू एवं डोंगरे, वन परिक्षेत्र अधिकारी भंडारी, डिप्टी रेंजर सहित विभागीय अमला, विद्यार्थी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व पर व्यापारियों का अटूट विश्वास

धमतरी इकाई में सदस्यता अभियान को मिला व्यापारियों का भारी समर्थन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के कुशल नेतृत्व में संगठन का विस्तार नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में चेम्बर का प्रतिनिधिमंडल सदस्यता अभियान के तहत धमतरी पहुँचा।

धमतरी आगमन पर इकाई अध्यक्ष कैलाश कुकरेजा एवं पदाधिकारियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल का भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान धमतरी के व्यापारियों में भारी उत्साह देखा गया। चेम्बर इकाईयों का गठन जहाँ भी हो रहा है, नए सदस्य निरंतर जुड़ते जा रहे हैं, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि प्रदेश के व्यापारियों का प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व पर गहरा और अटूट विश्वास है।

सदस्यता अभियान की सफलता को रेखांकित करते हुए धमतरी जिला उपाध्यक्ष- दिनेश (राजा) रोहरा ने नए बनाए गए सदस्यों की विस्तृत सूची प्रदेश कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया को सौंपी। श्री थौरानी के नेतृत्व में संगठन लगातार अपनी जड़ें मजबूत कर रहा है और व्यापारी वर्ग एक मजबूत मंच के रूप में चेम्बर के साथ खड़ा है।

प्रदेश कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया ने कहा कि धमतरी इकाई द्वारा चलाया गया सदस्यता अभियान अत्यंत सराहनीय है। कैलाश कुकरेजा और उनकी टीम ने जिस सक्रियता से नए सदस्यों को जोड़ा है, वह धमतरी के व्यापारियों की एकजुटता को दर्शाता है। चेम्बर का परिवार जितना विशाल होगा, व्यापारियों के हितों की रक्षा उतनी ही प्रभावी ढंग से होगी।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी ने बताया कि धमतरी के व्यापारियों का यह स्नेह और विश्वास ही हमारी असली ताकत है। चेम्बर का निरंतर विस्तार यह सुनिश्चित करता है कि हम हर छोटे-बड़े व्यापारी की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर हैं। धमतरी इकाई को इस सफल अभियान के लिए बहुत-बहुत बधाई।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि प्रदेश के व्यापारियों का एक अटूट सुरक्षा कवच है। चेंबर सदैव व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए 24 ग7 तत्पर खड़ा रहता है।

चाहे दिन हो या रात, हमारी टीम व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है। श्री सलूजा ने चेम्बर द्वारा विगत 1 वर्ष में जो भी गतिविधियां हुई उसके बारे में जानकारी दी जैसे- गाइडलाइन की दरों कमी,जीएसटी संबध सुझावों को शासन द्वारा मान्य करना,प्रदेश में एकल खिड़की प्रणाली लागू करना इत्यादि। इस अवसर पर चेम्बर संरक्षक एवं पूर्व विधायक श्रीचन्द सुन्दरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, वाईस चेयरमेन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष द्वय- राजेश वासवानी व जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष-दिलीप इसरानी, मनीष प्रजापति, पंकज जैन, मंत्री धनेश मटलानी, निखिल पंड्या, धमतरी जिला उपाध्यक्ष- दिनेश (राजा) रोहरा, मंत्री- आलोक पाण्डेय, इकाई अध्यक्ष कैलाश कुकरेजा, कोषाध्यक्ष- राजमल राखेचा, चेयरमेन नरेंद्र रोहरा, संरक्षक-निर्मल बरड़िया, सलाहकार- रमेश दीवानी, रमेश जैन (मिन्त्री), संगठन मंत्री- प्रमोद पाण्डेय, पंकज शर्मा, कन्हैया कामरानी, अमित अग्रवाल, उपाध्यक्ष- सुरेश वल्र्यानी, सतराम वशानी, रविन्द्र सिंह छाबड़ा,कार्यकारिणी सदस्य -भूपेश अंबानी, सदस्य-मोहित जैन, आकाश गोलछा, अशोक दुबानी, सोनू जसूजा सहित अनेक व्यापारी एवं उद्योगपति उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
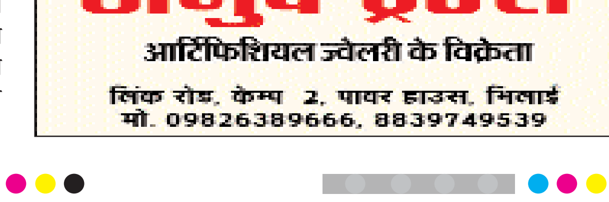
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

जोया अफरोज ने दिया बड़ा बयान एक्टर्स के काम को लेकर कहा...

‘सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता’

हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस जोया अफरोज ने अपने करियर, संघर्ष और खुद को दोबारा गढ़ने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ‘हम साथ साथ हैं’ और ‘मन’ जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज ‘कोरा कागज’ और ‘सोन परी’ में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई।

बचपन से एक्टिंग लाइन में हैं जोया

कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछे छोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था।

जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए।

काम ही एक कलाकार को टिकाए रखता है

जोया के मुताबिक, ‘आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते।’ वह मानती हैं कि शोहरत का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन लगातार अच्छा काम ही एक कलाकार को लंबे समय तक टिकाए रखता है। जोया अपनी आने वाली फिल्म ‘ये दिल सुन रहा है’ को अपने करियर का अहम पड़ाव मानती हैं। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके अंदर के संवेदनशील और भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।

जोया आखिरी बार तस्करी वेब सीरीज में नजर आईं थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी हैं, जो ईमानदार कस्टम अधिकारी की भूमिका में हैं जबकि शरद केलकर विलेन के रूप में हैं।

रोमांटिक फिल्म विद लव की स्ट्रीमिंग डेट आई सामने, नेटफ्लिक्स 6 मार्च से होगी स्ट्रीमिंग

डायरेक्टर माधन के निर्देशन में बनी फिल्म ‘विद लव’ अपनी डिजिटल रिलीज के साथ चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में अबिशन जीविंथ लीड रोल में हैं और उनके साथ अनस्वरा राजन भी हैं। दोनों की केमिस्ट्री और फिल्म की रोमांटिक कहानी दर्शकों को बहुत पसंद आई है।

थिएटर में ठीक-ठाक प्रदर्शन के बाद अब ये जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली हैं। पहले ही बताया गया था कि नेटफ्लिक्स ने पोस्ट-थिएटरल स्ट्रीमिंग राइट्स खरीदे हैं, लेकिन अभी तक फिल्म की डिजिटल रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 6 मार्च, 2026 से स्ट्रीमिंग पर आ सकती है और ये तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषा में देखने को मिलेगी।

फिल्म ‘विद लव’ एक तमिल रोमांटिक कॉमेडी है, जो सत्या (अबिशन जीविंथ) और मोनिशा (अनस्वरा राजन) की कहानी पर आधारित है। कहानी शुरू होती है जब दोनों एक ब्लाइंड डेट पर मिलते हैं। अपने-अपने पुराने स्कूल क्रश को खोजने और अपनी भावनाओं का इज़हार करने की इस ट्रिप के दौरान, सत्या और मोनिशा के बीच प्यार पनपने लगता है। फिल्म में नॉस्टैल्जिया, ह्यूमर और रोमांस का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है, जो दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखता है।

फिल्म ‘विद लव’ ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 20वें दिन तक फिल्म ने भारत में 27.7 करोड़ रुपये की कमाई की और तमिल में 25.1 करोड़, तेलुगु में 2.6 करोड. वहीं, विदेशों में 3.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म की ग्लोबल ग्रॉस 36 करोड़ रुपये हो गई है, हांलाकि फिल्म अब तक कोई बड़ा रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई।

आदिवी शेष की ‘डकैत’ की बदली रिलीज डेट

‘धुरंधर 2’ और ‘टॉक्सिक’ बनी वजह अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म?

19 मार्च 2026 को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलेगी। क्योंकि इस दिन बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में ‘टॉक्सिक’ और ‘धुरंधरद रिवेंज’ रिलीज होने वाली हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इन्हीं फिल्मों के साथ 19 मार्च को आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की ‘डकैत एक प्रेम कथा’ भी रिलीज होनी थी। लेकिन अब ‘डकैत’ के मेकर्स ने इस क्लैश से बचने के लिए अपनी फिल्म आगे बढ़ा ली है।

‘टॉक्सिक’ और ‘धुरंधर द रिवेंज’ जैसी बड़ी फिल्मों की टक्कर से बचने के लिए ‘डकैत’ के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 मार्च को रिलीज होने वाली ‘डकैत’ अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फैसले की वजह ‘टॉक्सिक’ और ‘धुरंधर 2’ जैसी फिल्मों की क्लैश से होने वाले नुकसान से बचना है। ताकि ‘डकैत’ लंबे समय के लिए सिनेमाघरों में बनी रहे और दर्शक जुटाती रहे। ‘डकैत’ के निर्माताओं ने दोनों फिल्मों और उनकी क्रिएटिव टीमों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि फिल्म को उसका उचित स्थान मिले और दर्शक प्रत्येक फिल्म को अपने-अपने तरीके से अनुभव कर सकें।

शेनिल देव द्वारा निर्देशित ‘डकैत’ की कहानी एक ऐसे गुस्सैल कैदी की कहानी है, जो अपनी धोखा देने वाली पूर्व प्रेमिका से बदला लेना चाहता है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म में आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा अनुराग कश्यप और प्रकाश राज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पिछले साल दिसंबर में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। टीजर सामने आने के बाद से ही फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब उनका इंतजार थोड़ा लंबा रहने वाला है।

एक्टिंग डेब्यू पक्का होते ही एकता कपूर का मुंह मीठा कराने पहुंचीं तान्या मित्तल

‘बिग बॉस सीजन 19’ में हिस्सा लेने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल का एक्टिंग डेब्यू पक्का हो गया है। टीवी क्वीन एकता कपूर ने उन्हें ऑफर दिया है। तान्या इस खुशी में एकता के घर मिठाई लेकर पहुंचीं।

तान्या मित्तल चर्चित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्हें ‘बिग बॉस 19’ में देखा गया, जहां उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। बिग बॉस के बाद उन्हें विज्ञापनों में लगातार देखा जा रहा है। मगर, अब वे हीरोइन बनने वाली हैं। टीवी क्वीन एकता कपूर ने उन्हें ऑफर दिया है। इसके बाद तान्या की खुशी का ठिकाना नहीं। वे तुरंत एकता कपूर का मुंह मीठा कराने पहुंच गईं।

तान्या ने बकलावा से कराया एकता कपूर का मुंह मीठा

तान्या मित्तल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे और एकता कपूर नजर आ रहे हैं। साथ में कैप्शन लिखा है, ‘बकलावा के साथ मुंह मीठा’। वीडियो में देखा जा सकता है कि एकता के लिए तान्या मित्तल कई गिफ्ट और मिठाई लेकर पहुंचीं। बकलावा के अलावा कई तरह की चॉकलेट्स और गणपति बप्पा की मूर्ति देखी जा सकती है। एकता ने पहले तान्या का मुंह मीठा कराया, फिर खुद बकलावा खाया और इसके स्वाद की तारीफ की।

बकलावा की वजह से बिग बॉस में ट्रोल हुई थीं तान्या

तान्या मित्तल ‘बिग बॉस 19’ के दौरान बकलावा मिठाई को लेकर खूब चर्चा में रहीं। उन्होंने यह कहा था कि वे अक्सर बकलावा खाने के लिए दुबई जाती हैं। उनका जब भी मन करता है, वे खासतौर से इसी मिठाई के लिए दुबई के टिकट करा लेती हैं। इसे लेकर वे काफी ट्रोल भी हुई थीं।

एकता से बोलीं तान्या- ‘आप यूं ही चमकती रहें’

तान्या मित्तल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक अन्य वीडियो भी एकता कपूर के साथ शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, ‘सपने सच होते हैं, आज आपने साबित कर दिया। आपसे मिलकर यकीन हो गया कि भगवान सच में कुछ लोगों पर अपनी खास कृपा रखते हैं। और, वो लोग अलग ही चमकते हैं। आप सिर्फ एक नाम नहीं हो..., आप एक इमोशन हो। आपने जो दुनिया बनाई है, वो सिर्फ शो और कैरेक्टर तक सीमित नहीं है, वो हर उस इंसान के दिल में बसी है जिन्होंने कभी आपकी कहानियों में अपनी कहानी देखी। एकता कपूर सिर्फ इंडस्ट्री की क्वीन नहीं, बाल्की सपनों को हकीकत में बदलने वाली एक शक्ति हो। आप रेयर हो। दुर्लभ नजर, दुर्लभ हिम्मत, दुर्लभ दिल’। आज मैं बहुत खुश हूं, इतनी कि बताने को शब्द नहीं हैं।

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा ज्यादा फायदा

प्रोटीन पाउडर का सेवन मांसपेशियों के विकास और समग्र सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, बाजार में कई तरह के प्रोटीन पाउडर उपलब्ध हैं, जिनमें से किसी एक को चुनना मुश्किल हो सकता है। इसलिए आज हम आपको प्रोटीन पाउडर खरीदते समय ध्यान रखने वाली बातें बताने जा रहे हैं ताकि आपको सही प्रोटीन पाउडर मिल सके और आपको इसका अधिकतम लाभ मिल सके। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

प्रोटीन का स्रोत देखें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय सबसे पहले उसके स्रोत पर ध्यान दें। यह दूध, सोया, मटर या चावल से बनाया जा सकता है। दूध से प्राप्त प्रोटीन पाउडर मांसपेशियों के विकास में मदद कर सकते हैं। सोया प्रोटीन पाउडर शाकाहारी लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। मटर और चावल प्रोटीन पाउडर भी शाकाहारी होते हैं, लेकिन यह दूध से बने प्रोटीन की तरह असरदार नहीं होते।

शुद्धता का ध्यान रखें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय उसकी शुद्धता पर ध्यान देना जरूरी है। कुछ प्रोटीन पाउडर में मिलावटी तत्व हो सकते हैं, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाले ब्रांड का चयन करें, जो शुद्ध और प्राकृतिक सामग्री से बना हो। इसके अलावा प्रोटीन पाउडर में किसी भी प्रकार के अप्राकृतिक स्वाद, रंग या अन्य चीजें नहीं होने चाहिए। इससे आप एक सुरक्षित और असरदार प्रोटीन पाउडर का चयन कर सकते हैं।

ब्रांड की विश्वसनीयता जांचें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय ब्रांड की विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान दें। अच्छे ब्रांड अपने उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसलिए हमेशा एक प्रसिद्ध और भरोसेमंद ब्रांड का चयन करें, जो अपने ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करता हो। इसके अलावा ब्रांड के बारे में ऑनलाइन रिव्यू पढ़ें ताकि आपको उसके उत्पादों की सही जानकारी मिल सके और आप एक बेहतर चयन कर सकें।

डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लें

अगर आप पहली बार प्रोटीन पाउडर खरीद रहे हैं या किसी खास स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित हैं तो डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होता है। वे आपकी जरूरतों और स्वास्थ्य स्थितियों के अनुसार सही प्रकार और मात्रा में प्रोटीन पाउडर चुनने में मदद कर सकते हैं। इस तरह आप न केवल सही प्रोटीन पाउडर चुन पाएंगे बल्कि अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकेंगे।

खास खबर

स्वामी आत्मानंद विद्यालय, कोंटा में वार्षिकोत्सव तरंग का भव्य आयोजन

सुकमा। पीएम श्री स्कूल योजनांतर्गत पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी माध्यम विद्यालय, कोंटा में वार्षिकोत्सव तरंग 2025-26 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह के साथ ही पूर्व विद्यार्थी समागम (एलुमिनी मीट) का भी आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया।कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत अध्यक्ष कुसुमलता कवासी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, जनपद सदस्य मड़कम भीमा, बलिराम नायक,शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जी साईं रेड्डी, कवासी जानकी, तेलम हिड़मे, सुभाष चतुर्वेदी, पुल्ली गोलू, नगर पंचायत कोंटा के पार्षद पी. विजय नायडू, ग्राम पंचायत इंजरम के सरपंच सलवम राजाराव, सेमल नरेश, सेमल नागमणि, अमितेश सिंह एवं पवन सिद्धू, अन्नपूर्णा दुबे एवं आशालता हलधर, अन्नू बोगम सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी, जनपद पंचायत के सीईओ एवं डिप्टी कलेक्टर सुमीत धुर्व, तहसीलदार गिरीश निंबालकर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पी. श्रीनिवास, प्राचार्य महाविद्यालय सुरेश बाबू, प्राचार्य पी एम श्री सेजस बी.एल. औरसा, प्रधान अध्यापक टी. श्रीनिवास राव, व्याख्याता मनीषा कोसमा, बड़ी संख्या मेंपालक, अभिभावक, विद्यार्थी एवं संस्था के समस्त शिक्षक कार्यक्रम में शामिल हुए।

खड़गवां के 28 पंचायतों को टैंकर की सौगात

एमसीबी/खड़गवां। खड़गवां के सामुदायिक भवन में राज्यस्तरीय टीकाकरण की शुरुआत और किसानों को बोनस की राशि अंतरण मौके पर शामिल हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मंच से अपने उद्बोधन दौरान उपस्थित ग्रामीणों के चेहरे में प्रसन्नता ला दी। कार्यक्रम के बीच में विभिन्न पहलुओं पर बोलते हुए कहा कि मुझे आपकी सभी मांग और जरूरतों का ध्यान है। मुझे पता है कि जब भी आपके गांव में कोई शादी विवाह, अन्नप्राशन जैसे आयोजन होते है तो आप लोग पीने के पानी को लेकर दुखी हो जाते है क्योंकि ग्रामीण अंचलों में कोई विशेष व्यवस्था नहीं है और सभी पंचायतों में पानी का टैंकर भी उपलब्ध नहीं है लिहाजा आप सभी दाई बहिन काका मन बर विधायक निधि से पानी का टैंकर देने का फैसला लिया हूं । श्री जायसवाल ने ऐसे 28 ग्राम पंचायतों का नाम लिया जिसे विधायक निधि से पानी का टैंकर दिया जाना है। श्री जायसवाल ने बताया कि आज दो ग्राम पंचायतों बरदर और रतनपुर के लिए पानी टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और इसके साथ बचे 26 ग्राम पंचायतों में खड़गवां, अखराडांड, उधनापुर, पैनारी, मुकुंदपुर, जड़हरी, धवल पुर, मझौली, गिद्धमुड़ी, जरौंधा, कोड़ा इत्यादि पंचायत शामिल है।

छत्तीसगढ़ के सिमगा में बना भगवान श्री दत्तात्रेय सिद्ध शक्तिपीठ, एकमुखी चतुर्भुज मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु स्वरूप भगवान श्री दत्तात्रेय सिद्ध शक्तिपीठ की स्थापना छत्तीसगढ़ के तहसील मुख्यालय सिमगा में की गई है, जहाँ नवनिर्मित मंदिर में उनकी बैठी हुई एकमुखी चतुर्भुज मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा भी की गई है । भगवान दत्तात्रेय के भक्त और सिमगा के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत भोंसले ने आज बताया कि भारत इस तरह की यह पहली और अब तक की एकमात्र मूर्ति है। श्री भोंसले और उनके परिवार द्वारा लगभग साढ़े छह साल की मेहनत से वहाँ अपनी निजी भूमि पर भगवान श्री दत्तात्रेय का मंदिर बनवाया गया है । इसके लिए वे अपने गुरु, इंदौर के श्री अण्णा महाराज के आदेश पर मंदिर निर्माण स्थल की पवित्र मिट्टी लेकर भगवान श्री दत्तात्रय से संबंधित देश के तीस तीर्थ स्थलों में गए और वहाँ की पवित्र मिट्टी का अभिषेक करवा कर सिमगा (छत्तीसगढ़)लेकर आए । वहीं 12 अन्य तीर्थ स्थलों से वहाँ के आचार्यों द्वारा मूर्ति के नीचे स्थापित करने के लिए भभूत,यंत्र, या सिक्के आदि प्रदान किए गए हैं । यह पवित्र मंदिर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 45 किलोमीटर, न्यायधानी बिलासपुर से लगभग 70 किलोमीटर और सिमगा शहर से मात्र एक किलोमीटर पर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे, कोतरी नाला के पास बनवाया गया है । रणजीत भोंसले ने बताया कि मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन गुरु पूर्णिमा के दिन और उनके स्वर्गीय पिता श्री सम्पत राव भोंसले के जन्म दिन पर 15जुलाई 2019 को किया गया था ।

धमतरी को मखाना हब बनाने की दिशा में पहल कलेक्टर ने तैयारियों का किया निरीक्षण

वनांचल क्षेत्र में आय के नए स्रोतः मखाना खेती से सशक्त होंगे समूह

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले के नगरी वनांचल क्षेत्र में आजीविका संवर्धन की दिशा में एक नई पहल के तहत मखाना खेती की तैयारी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्रारंभ की गई है। जिले में कुल 100 एकड़ भूमि मखाना उत्पादन के लिए चिन्हांकित की गई है। प्रारंभिक चरण में संकरा क्षेत्र में 25 एकड़ रकबे में मखाना की खेती की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। विशेषज्ञों के अनुसार नगरी क्षेत्र की जलवायु, पर्याप्त जल उपलब्धता एवं प्राकृतिक वातावरण मखाना उत्पादन के लिए अनुकूल है। इससे स्थानीय किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। इस पहल से वनांचल क्षेत्र में कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने धमतरी प्रवास के दौरान जिले को मखाना बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद जिला प्रशासन द्वारा मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बीते दिनों संकरा पहुंचकर मखाना खेती की तैयारियों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मखाना खेती नगरी वनांचल क्षेत्र के लिए आय वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्व-सहायता समूहों को तकनीकी प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं विपणन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। हमारा प्रयास है कि धमतरी जिला प्रदेश में मखाना उत्पादन का मॉडल विकसित करे।कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि कृषि एवं उद्यानिकी विभाग समन्वय बनाकर किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करें तथा जल प्रबंधन एवं फसल संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। आने वाले समय में चरणबद्ध रूप से रकबे का विस्तार कर अधिक से अधिक समूहों को इस पहल से जोड़ा जाएगा।जिला प्रशासन की इस पहल से नगरी वनांचल क्षेत्र में आर्थिक सशक्तिकरण की नई संभावनाएं साकार होती दिखाई दे रही हैं।

बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासनिक मुस्तैदीः सचिवों को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागार में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 एवं बाल संरक्षण अधिनियम 2015 के संबंध में एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा की गई।

कार्यक्रम में विकासखंड नवागढ़, बेरला एवं बेमेतरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे। कार्यशाला में जिला बाल संरक्षण अधिकारी व्योम श्रीवास्तव द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य पत्र 16 जनवरी 2025 को जारी अधिसूचना के माध्यम से राज्य के ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी घोषित किया गया है। अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिका तथा 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह प्रतिबंधित है। यदि कोई व्यक्ति बाल विवाह करता है, करवाता है, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करता है, तो उसे 2 वर्ष तक के कठोर कारावास या एक लाख रुपये तक के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है।बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 10 मार्च 2024 को संकल्प पारित कर 31 मार्च 2029 तक राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु चरणबद्ध तरीके से जनसहयोग एवं जनजागृति अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले के शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों, धर्मगुरुओं, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से बाल विवाह मुक्त होने संबंधी शपथ दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जिले की 417 ग्राम पंचायतों एवं 8 नगरीय निकायों द्वारा विगत दो वर्षों से एक भी बाल विवाह न होने के संबंध में प्रस्ताव पारित कर स्वयं को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया है। कार्यशाला में बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा करते हुए अधिकारियों ने सभी संबंधितों से सजगता एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

शांतिपूर्ण होली का संकल्प, डीजे पर सख्ती

हुड़दंगियों को चेतावनी, पुलिस ने बनाई खास रणनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

कसडोल। होली से पहले कसडोल पुलिस ने साफसंदेश दे दिया है—रंगों का त्योहार खुशियों से मनाइए, लेकिन कानून की सीमा में रहकर। थाना कसडोल में 1 मार्च 2026 को शांति समिति की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें होली पर्व के दौरान शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक कैंप कसडोल, थाना प्रभारी कसडोल, नगर के जनप्रतिनिधि, पत्रकार, सर्व समाज के वरिष्ठ नागरिक, क्षेत्र के सभी ग्राम सरपंच और कोटवार बड़ी संख्या में मौजूद रहे। चर्चा के दौरान होली को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने, किसी भी प्रकार के विवाद से बचने और सुरक्षा प्रबंध मजबूत रखने पर जोर दिया गया।

बैठक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप डीजे और धुमाल बजाने के नियमों का सख्ती से पालन कराने का निर्णय लिया गया। अश्लील और फूहड़ गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। होलिका दहन निर्धारित समय पर और नियमानुसार कराने की बात कही गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। साथ ही, होली के नाम पर किसी के कपड़े फाड़ने या जबरन रंग लगाने जैसी हरकतों को अस्वीकार्य बताते हुए सख्त कार्रवाई का संकेत दिया गया।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान सभी संवेदनशील स्थलों पर नियमित और लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को तुरंत रोका जा सके। बैठक में मौजूद नागरिकों ने भी सुरक्षा के विभिन्न बिंदुओं पर अपने सुझाव दिए और पुलिस को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। कसडोल पुलिस ने अपील की है कि होली को शालीनता और भाईचारे के साथ मनाएं, अफवाहों से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। त्योहार की उमंग बनी रहे, लेकिन कानून का रंग फीका न पड़े—इसी संदेश के साथ कसडोल में 'सुरक्षित होली' की तैयारी पूरी कर ली गई है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ आय संवर्धन की दिशा में पहल

फूलों की क्यारी से निकली स्व-रोजगार की राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रंगों का पावन पर्व होली इस बार जिले में कुछ खास होने जा रहा है। जहां जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत भनौरा के गंगा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक हर्बल गुलाल तैयार कर स्टॉल कर बिक्री कर रही हैं।

बलरामपुर जिला के ग्राम भनौरा के समूह में 11 सदस्य हैं, महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं का मानना है कि पारंपरिक विधि से बनाए गए प्राकृतिक गुलाल से न केवल त्वचा सुरक्षित रहती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी पूरी तरह अनुकूल है। महिलाओं ने बताया कि गुलाल बनाने की पूरी प्रक्रिया प्राकृतिक है। इसे तैयार करने में फूलों, सब्जियों का उपयोग किया जाता है, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित और लाभकारी होता है। विभिन्न रंगों के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है। गुलाबी रंग हेतु चुकंदर एवं गुलाब की पंखुड़ियां, पीले रंग के लिए हल्दी एवं गेंदे के फूल, हरे रंग के लिए पालक, नीले रंग के लिए अपराजिता के फूल तथा लाल रंग के लिए टेसू के फूलों का प्रयोग किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से तैयार किया जा रहा यह हर्बल गुलाल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

समूह की महिलाओं ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से ईको-फ्रेंडली हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही हैं। महिलाओं ने कहा कि रासायनिक रंगों की तुलना में प्राकृतिक गुलाल पूरी तरह सुरक्षित होता है तथा इसके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता और स्थानीय बाजार में इसकी अच्छी मांग है। उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया है।

होली के दौरान पुलिस और स्वास्थ्य विभाग रहेंगे अलर्ट मोड़ में

घूमेगी पेट्रोलिंग गाड़ियां, हॉस्पिटल में रहेंगे डॉक्टर और उनकी टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। आगामी होली और रमजान पर्व को शांतिपूर्ण एवं सदभाव वातावरण में मनाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के सदस्य, पत्रकारगण उपस्थित रहे।

बैठक में त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली के दौरान कोई भी व्यक्ति नशे की हालत में वाहन न चलाए तथा शराब पीकर ड्राइविंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने त्योहार के दौरान अभद्र व्यवहार न करने और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। होलिका दहन केवल निर्धारित समय पर करने के निर्देश दिए गए हैं। डामरीकरण (पक्की) सड़कों पर होलिका दहन करने पर प्रतिबंध लगाया गया है, ताकि सड़कों को नुकसान न पहुंचे। इस वर्ष होलिका दहन 2 तारीख की रात्रि में किया जाएगा। परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए बिना अनुमति के डीजे बजाने पर रोक लगाई गई है। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया है कि अस्पतालों में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध रहे, ताकि आपातकालीन स्थिति में तत्काल उपचार मिल सके। किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर डायल कर सहायता लेने की अपील की गई है। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि शांति समिति की बैठक का उद्देश्य समाज और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि जिले में त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। उन्होंने जिलेवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी मिलकर प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ पर्व मनाएं।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सड़क रोककर जबरन चंदा वसूली जैसी गतिविधियां प्रतिबंधित है, ऐसा न हों। आमजन एवं महिलाओं को आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। साथ ही किसी को जबरदस्ती गुलाल न लगाने और शासकीय संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने की अपील की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होली और रमजान दोनों महत्वपूर्ण पर्व हैं, जिन्हें आपसी सद्भाव और शांति के साथ मनाना आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पेट्रोलिंग वाहनों की संख्या भी बढ़ा दी गई है।

सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध 'सुरक्षा कवच' का आगाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड खड़गवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज सर्विकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

देशव्यापी अभियान की वर्चुअल शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से की, जहां उन्होंने 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह वैक्सीन महिलाओं को होने वाले सर्वाइकल कैंसर से लगभग 98 प्रतिशत तक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। प्रधानमंत्री ने उपस्थित बालिकाओं से संवाद भी किया और विकसित भारत 2047 के संकल्प को दोहराते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया।

एमसीबी जिले में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रिया मसराम, जनपद सदस्य श्याम बाई मरकाम, वीरेन्द्र करियाम, धर्मपाल, रामप्रसाद गुप्ता, धनंजय पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरपंच गण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। जिला स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे ने शासकीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा अजमेर से राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत के साथ ही छत्तीसगढ़ में इसका प्रदेश स्तरीय शुभारंभ एमसीबी जिले के खड़गवां से किया जा रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि जिले में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी लगभग 4000 किशोरियों को यह टीका लगाया जाएगा, जिससे भविष्य में महिलाओं में होने वाले गर्भाशय कैंसर और अन्य संबंधित बीमारियों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकेगी। राज्य टीकाकरण अधिकारी बी.आर. भगत ने बताया कि पूरे प्रदेश में 3 लाख 23 हजार किशोरियों को यह एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क लगाई जाएगी।

खास खबर

प्रेमिका को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला प्रेमी गिरफ्तार

बिलासपुर। मस्तूरी क्षेत्र के मल्हार में रहने वाली युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित युवक को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। मस्तूरी क्षेत्र में रहने वाली युवती की शुक्रवार की सुबह धनगंवा में रहने वाले राजू लहरिया के घर फांसी पर लटकी मिली थी। पूछताछ में पता चला कि युवती मंगलवार को मेला देखने जाने के नाम पर घर से निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। उसने युवती के परिवार वालों को घर लेकर जाने के लिए कहा। युवती के घरवालो कों इनकार कर दिया। इसके बाद राजू ने इसकी जानकारी पुलिस को दी थी। तब पुलिस ने भी उसे समझाइश दी थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम कराया। तब स्वजन ने राजू की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया।

होली से पहले बड़ी कार्रवाई 28 असामाजिक तत्वों पर कसा शिकंजा

दुर्ग। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने जिलेभर में विशेष अभियान चलाते हुए 28 आदतन आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। त्यौहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों, चाकूबाजी की प्रवृत्ति रखने वाले व्यक्तियों और अवैध हथियार रखने वालों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान अशांति फैलाने और आपराधिक घटनाओं की आशंका के आधार पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत कार्रवाई की गई। थाना-वार कार्रवाई अभियान के तहत थाना दुर्ग से 02, मोहन नगर से 04, अंजोरा से 01, नगपुरा से 01, नेवई से 02, सुपेला से 05, जामुल से 02, पुरानी भिलाई से 04, पाटन से 01, उतई से 02 तथा धमधा से 04 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

नकली सिक्का व हार देकर मां-बेटे ने की ढाई लाख की ठगी

रायपुर। कलर्स मॉल पचपेड़ी नाका में मां-बेटा ने नकली सिक्का व हार देकर ढाई लाख की ठगी कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी महेश कानस्कर 55 वर्ष अवंति विहार तेलीबांधा का रहने वाला है। प्रार्थी का कलर्स मॉल पचपेड़ी नाका में शॉप है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी राजेश प्रजापति अपनी मां के साथ प्रार्थी के शॉप में आया और नकली सिक्का व हार देकर ढाई लाख की ठगी कर लिया।

महिला को खाना खिलाने का दिया झांसा, फिर रेप की कोशिश, विरोध करने पर गला घोंटकर मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक अज्ञात घुमंतू महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने करीब डेढ़ महीने बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने महिला को खाना खिलाने का भरोसा देकर खेत में ले गया था। जहां उसने रेप की कोशिश की, विरोध करने पर उसने गला घोंटकर महिला की हत्या कर दी थी।

मामला थाना कुम्हारी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, डेढ़ महीने पहले खेत में महिला का अर्धनग्न शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच तेज की और आरोपी तलाश शुरू की। मामले की जांच के लिए पुलिस ने पांच विशेष टीमें बनाई।

इसके अलावा 1000 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। 100 घंटे से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखे गए। लाखों कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाले गए, तब जाकर पुलिस आरोपी तक पहुंची। रविवार को पुलिस टीम ने रेप के आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक महिला घुमंतू थी। हालांकि, शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

दरअसल, 17 जनवरी 2026 को कुम्हारी के केवल्य धाम के पीछे परसदा खार स्थित एक खेत में महिला का अर्धनग्न शव मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। न उसका नाम पता था, न कोई परिचित सामने आया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। इससे साफ हो गया कि यह हादसा नहीं, बल्कि हत्या का मामला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच के लिए पांच विशेष टीमें गठित की।

1000 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। 100 घंटे से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। लाखों कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच की गई। सुबह पांच बजे से देर रात तक टीमें लगातार काम करती रहीं। यह सब इसलिए क्योंकि मृतका की पहचान तक नहीं हो सकी थी।

संदिग्ध को हिरासत में लिया

पुलिस की जांच में एक-एक कर सभी कड़ियां जुड़ती गईं। जांच में समय जरूर लगा, लेकिन पुलिस धीरे-धीरे संदिग्ध तक पहुंचने में सफल रही। 28 फरवरी को पुलिस ने महाराजा देवार उर्फ राजा देवार (22) को हिरासत में लिया।

आरोपी के पास एक धारदार हथियार भी था। वह पुलिस पर हमला करने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे काबू कर लिया और थाने ले आई। आरोपी कुम्हारी के रामनगर, बजरंग चौक, वार्ड क्रमांक 07 का निवासी है।

खाना खिलाने के बहाने खेत में ले गया

पुलिस ने संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लिया। इसके बाद उससे कड़ाई से पूछताछ शुरू की गई। पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी ने पूरी घटना का खुलासा कर दिया। उसने बताया कि महिला उस क्षेत्र में घर-घर जाकर खाना मांग रही थी और वह भूखी थी। आरोपी ने महिला को खाना खिलाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद वह उसे बहाने से खेत की ओर ले गया। खेत में ले जाकर आरोपी ने महिला के साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। महिला ने इसका विरोध किया और शोर मचाने लगी। इस पर आरोपी ने उसे शांत कराने के लिए उसका गला दबा दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

एएसपी मणिशंकर चंद्रा के अनुसार, घुमंतू महिला के साथ दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की थी। महिला ने विरोध कर अपनी आबरू बचा ली, लेकिन वह अपनी जान नहीं बचा सकी। आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। जिस स्थान पर वारदात हुई, वह पूरी तरह सुनसान इलाका है और वहां लोगों की आवाजाही नहीं होती। महिला का शव सात दिन बाद अर्धनग्न अवस्था में बरामद किया गया।

आरोपी को भेजा गया जेल

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। घटनास्थल से पुलिस ने एक चप्पल, आरोपी की टूटी हुई बटन वाली शर्ट, शर्ट का बटन, एक ए-वन पाउच और एक पानी की बोतल जब्त की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले भी हत्या के मामले में नामजद रह चुका है। इन सबके बावजूद महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

प्राचार्य ने गरीब छात्रों से करवाई पुताई

शिकायत पर परिजनों से कहा - आपके बच्चों को मुफ्त में बैग-किताबें मिल रही हैं, आप पैसा नहीं देते

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के तिलसिवां स्थित मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल में आरटीई के बच्चों से मजदूरी कराने का मामला सामने आया है। स्कूल की प्राचार्य पर आरोप है कि उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत पढ़ रहे बच्चों से स्कूल परिसर में मजदूरी और पुताई का काम करवाया है। मामले की शिकायत लेकर अभिभावक कलेक्टर जनदर्शन पहुंचे।

अभिभावकों द्वारा कलेक्टर को सौंपी गई लिखित शिकायत के अनुसार, आरटीई के अंतर्गत

अध्ययनरत विद्यार्थियों से स्कूल में सीमेंट, रेत ढुलवाने और कक्षाओं की पुताई जैसे श्रम वाले कार्य कराए गए। शिकायत में बताया गया कि बच्चों ने काम करने से मना करने पर उन्हें स्कूल से निकालने (टीसी काटने) की धमकी दी जाती थी।

जब परिजन इस विषय पर बात करने स्कूल पहुंचे, प्राचार्य विधु शर्मा ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने कहा, आपके बच्चों को मुफ्त में बैग, किताबें और बिजली मिल रही है, आपका पैसा नहीं लगता, बाहर जाकर बात कीजिए।

उन्होंने शिकायत में बताया कि प्राचार्य स्कूल की एक कक्षा का उपयोग अपने पति के साथ निवास (आवास) के रूप में कर रही हैं। परिजनों ने बच्चों के काम करते हुए फोटो और वीडियो साक्ष्य के रूप में कलेक्टर को सौंपे हैं। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसमें अध्यक्ष लता बेक (सहायक संचालक योजना) और दो सदस्य हरेंद्र सिंह (बीईओ, सूरजपुर) व पुष्पा राय (प्राचार्य, सेजेस जयनगर) शामिल है।

स्कूल की प्राचार्य विधु शर्मा ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि यह शिकायत द्वेषवश की गई है और जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए जांच में सहयोग करने की बात कही है।

नवागढ़ में 6 जुआरी गिरफ्तार 11,100 नगद व ताश बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में जुआ और सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नवागढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना नवागढ़ क्षेत्र के ग्राम कटौद में पुलिस ने छापेमार कार्रवाई कर जुआ खेल रहे छह जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में जुआ-सट्टा पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नवागढ़ पुलिस ने बीती रात ग्राम कटौद में रेड कार्रवाई की, जहां कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेलते पाए गए।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 11,100 नगद और ताश पत्ती बरामद की। सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत विधिवत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी नवागढ़ निरीक्षक कमलेश सेंडे एवं थाना स्टाफ की विशेष भूमिका रही।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में जुआ और सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गिरफ्तार आरोपी

1. रामखिलावन कश्यप (40 वर्ष), निवासी कटौद, 2. दिनेश साहू (43 वर्ष), निवासी कटौद, 3. हरि कुमार कश्यप (30 वर्ष), निवासी कटौद, 4. घनश्याम कश्यप (29 वर्ष), निवासी कटौद, 5. जैनी साहू (33 वर्ष), निवासी कटौद, 6. टिंकू केवट (30 वर्ष), निवासी कटौद थाना नवागढ़, जिला जांजगीर-चांपा ।

31 पर कार्रवाई, 268 चालकों से 1.22 लाख वसूले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने रायगढ़ पुलिस ने जिलेभर में विजिबल पुलिसिंग और सघन पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक पैदल मार्च, छापेमारी और वाहन चेकिंग से असामाजिक तत्वों में हड़कंप है। पुलिस ने अड्डेबाजों पर कार्रवाई करते हुए 31 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है और 3 को जेल भेजा है। 268 वाहन चालकों से 1 लाख 22 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला गया है।

पुलिस लाइन के अतिरिक्त बल के साथ सभी थाने और चौकियों के स्टाफ ने मार्केट एरिया, मुख्य चौक-चौराहों, संवेदनशील स्थानों और अंदरूनी बस्तियों में पैदल मार्च किया। संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई और अड्डेबाजी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की गई। बीते 24 घंटे में सिटी कोतवाली, जूटमिल और भूपदेवपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 3 लोगों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा। वहीं शांति भंग की आशंका और विवाद की संभावनाओं को देखते

हुए 28 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर 31 व्यक्तियों पर कार्रवाई हुई। होली को ध्यान में रखते हुए जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया गया।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 268 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 1 लाख 22 हजार 200 रुपए का समन शुल्क वसूला गया। तेज रफ्तार, बिना हेलमेट और बिना दस्तावेज के वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

खनिज विभाग की कार्रवाई, अवैध उत्खनन एवं परिवहन मामले में 27 वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने खनिज विभाग द्वारा जांच-पड़ताल एवं कार्यवाही का सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। बीते एक सप्ताह के दौरान रायगढ़ जिले में खनिज अमले द्वारा कुल 27 वाहनों को जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध खनिज परिवहन के अंतर्गत रेत के 20 ट्रैक्टर एवं 02 हाईवा, खनिज मिट्टी-मुरूम के 03 ट्रैक्टर तथा चूनापत्थर के 02

हाईवा को जब्त किया गया है। जब्त किए गए सभी 27 वाहनों को सुरक्षार्थ कलेक्ट्रेट परिसर सहित थाना कोतरा रोड, भूपदेवपुर, पूंजीपथरा एवं पुसौर में रखा गया है।

खनिज विभाग द्वारा संबंधित परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 एवं 23(क) के अंतर्गत विधिसम्मत प्रकरण दर्ज किया गया है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर ने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर पूर्णतः नियंत्रण सुनिश्चित करने हेतु खनिज विभाग के अधिकारियों को सतत निगरानी रखने और दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाही के निर्देश दिए हैं।

शराब पार्टी के बाद तालाब में डूबे 2 दोस्तों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तालाब में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक अपने 5 दोस्तों के साथ घूमने निकले थे। हाथ-मुंह धोने के दौरान पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, बंधवापारा का रहने वाला हिमांशु चहांदे (21) और देवरीखुर्द का रहने वाला शिवम मानिकपुरी (20) अपने पांच साथियों के साथ रविवार दोपहर में खमतराई की ओर घूमने गए थे।

सभी अमहा तालाब के किनारे एक पेड़ के नीचे बैठकर शराब पीते हुए बातचीत कर रहे थे। शाम करीब चार बजे हिमांशु और शिवम हाथ-मुंह धोने तालाब की ओर गए। इसी दौरान उनका पैर फिसला और दोनों गहराई में समा गए।

बता दें कि जिले में इस तरह से तालाब, नदी और खदान में डूबने से तीन साल में 17 लोगों की मौत हो चुकी है।

दरअसल, अमहां तालाब से मुरूम निकालने के लिए जेसीबी से लगातार खुदाई की गई है। इससे तालाब काफी गहरा हो गया है। किनारे से ही गहराई शुरू हो जाती है। रविवार दोपहर हिमांशु और शिवम अपने दोस्तों के साथ इसी

तालाब पास शराब पी रहे थे।

नशे में दोनों हाथ-मुंह धोने के लिए तालाब की ओर गए। जैसे ही दोनों पानी के पास पहुंचे, उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे गहरे हिस्से में चले गए। उन्हें तैरना भी नहीं आता था। गहराई में जाते ही वे डूबने लगे। साथियों ने बचाने की कोशिश की। एक युवक पानी में उतरा, उसे भी तैरना नहीं आता था। वह भी डूबने लगा। बाकी दोस्तों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक हिमांशु और शिवम लापता हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग जमा हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची। नगर सेना के गोताखोरों ने तलाश शुरू की। देर रात दोनों युवकों के शव बाहर निकाले गए। घटना की खबर मिलते ही परिजन भी पहुंच गए। शव देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई।

पुलिस ने मृतकों के साथ मौजूद युवकों को थाने में बैठाया है। पूछताछ में सामने आया कि तालाब किनारे शराब पार्टी चल रही थी। पकड़े गए युवक नशे की हालत में मिले। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।

इस मामले में टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि युवकों की शराब पार्टी चल रही थी। नशे की हालत में दो युवक हाथ-पैर धोने गए थे। उसी दौरान दोनों हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। खमतराई स्थित इसी अमहा तालाब में करीब दो साल पहले रिटायर्ड शिक्षक सुनील तिवारी की भी डूबने से मौत हुई थी। वे सुबह साइकिल से निकले थे। तालाब किनारे रुकने के दौरान गहराई में जाने से उनकी जान चली गई थी।

तीन साल में 17 लोगों की मौत

जिले में तालाब, नदी, मुरूम खदान में डूबने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पिछले तीन साल में 17 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 15 किशोर शामिल हैं।

बेजुबान कुत्ते की बेरहमी से हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल क्षेत्र में एक कुत्ते को बेरहमी से मारने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल रहा। पुलिस के अनुसार 01 मार्च 2026 की रात लगभग 03:30 बजे एमपीईबी चौक जामुल में गली के एक कुत्ते को पीट-पीटकर मारने की सूचना मिली। प्रार्थी मदन साहू की रिपोर्ट पर थाना जामुल में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

शिकायत में बताया गया कि मोहल्ले के मुर्तुजा अली और राहुल मारकण्डे ने कुत्ते को गंभीर रूप से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को

गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 136/2026 में धारा 325, 3(5) बीएनएस, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उनके खिलाफ बीएनएसएस की धाराओं में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक रामेन्द्र सिंह, सउनि महफूज खान सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि पशुओं के प्रति किसी भी प्रकार की क्रूरता दंडनीय अपराध है। ऐसी घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था और मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध कार्य करने वालों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी।

बुजुर्ग से 1 लाख 96 हजार की ठगी, जुर्म दर्ज

रायपुर। हरदेवलाला मंदिर के पास टिकरापारा में अज्ञात व्यक्ति ने बुजुर्ग से 1 लाख 96 हजार रुपए ठग लिए। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी भोलाराम मरकाम 74 वर्ष हरदेव लाला मंदिर के पास टिकरापारा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी के बैंक खाता से बिना जानकारी दिए उसके 9 खाते से 1 लाख 96 हजार रुपए आहरण कर लिया।

प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

खास खबर

'मुंज्या' थीम की होलिका बनी आकर्षण का केंद्र

रायपुर। राजधानी में होली को लेकर उत्साह चरम पर है। इस बार शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अलग-अलग थीम पर होलिका की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं, जो लोगों को आकर्षित कर रही हैं। इसी क्रम में कालीबाड़ी चौक पर हॉरर फिल्म 'मुंज्या' की थीम पर बनाई गई होलिका प्रतिमा खास चर्चा में है। इस अनोखी प्रतिमा में फिल्म के लोकप्रिय किरदारों की झलक भी दिखाई दे रही है, जिससे यह लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गई है। मूर्तिकार राकेश पुजारी ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से विभिन्न थीम पर प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं।

होली पर लाउड हेलर से चेतावनी दे रही ट्रैफिक पुलिस

कोरबा। होली त्योहार के मद्देनजर अलग-अलग स्तर पर शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन कोशिश कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में लाउड हेलर के माध्यम से लोगों तक संदेश पहुंचाने का जतन पुलिस कर रही है कि व्यवस्था को ठीकठाक रखे। अन्य स्थिति में कार्यवाही होगी। एडीशनल एसपी लखन पटले और नितिश ठाकुर के निर्देशन में ट्रैफिक की टीम ने आवागमन व्यवस्था को सुचारू बनाने पर ध्यान दिया है।

खड़गवां के 28 पंचायतों को टैंकर की सौगात

एमसीबी/खड़गवां। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधायक निधि से खड़गवां के 28 पंचायतों को टैंकर की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि शादी ब्याह एवं अन्य धार्मिक आयोजनों पर पेयजल की आपूर्ति एक गंभीर समस्या बन जाती है। टैंकरों से पानी की आपूर्ति को सुगम बनाया जा सकेगा जिसका लाभ सभी को मिलेगा।

कभी नक्सलगढ़ रहे गोगुण्डा में आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत, बिहान योजना से बदल रही लोगों की तकदीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित अंचलों में विकास की नई रफ्तार देखने को मिल रही है। सुकमा जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से अब दूरस्थ और पहाड़ी ग्रामों में आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। नियद नेल्लानार योजना में शामिल ग्रामों में विभिन्न विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगा है।

जनपद पंचायत कोंटा अंतर्गत पूर्व में घोर नक्सल प्रभावित रहे पहाड़ी ग्राम गोगुण्डा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बिहान योजना ने महिलाओं के जीवन में आशा की नई किरण जगाई है।

विद्या महिला संकुल संगठन के अंतर्गत राम स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती गंगी मुचाकी ने अपने घर पर ग्राम की पहली किराना दुकान प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की है।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन की विशेष

पहल से हाल ही में गोगुण्डा में पहली बार विद्युत सुविधा उपलब्ध हुई है। साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आधारभूत संरचना और निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। ऐसे सकारात्मक परिवर्तनों के बीच ग्राम में पहली किराना दुकान शुरू होना एक उपलब्धि है।

इससे ग्रामीणों को दैनिक आवश्यक वस्तुओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, साथ ही स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बिहान योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। दुब्बाटोटा क्लस्टर की

नियद नेल्लानार योजना में शामिल ग्रामों में योजनाओं का हो रहा प्रभावी क्रियान्वयन

पीआरपी श्रीमती मंजू कट्टम के मार्गदर्शन से यह पहल साकार हुई। यह प्रयास सामाजिक आत्मविश्वास और समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है।

सिख गुरुओं की सीख और बलिदान हम सभी को देती है प्रेरणा : मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री साय ने होला मोहल्ला के लिए संगत बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- 17 बसों, 2 ट्रकों एवं अन्य वाहनों में बैठकर श्री हजूर साहिब नांदेड़ रवाना हुए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार शाम राजधानी रायपुर स्थित रेलवे स्टेशन गुरुद्वारा पहुंचे, जहां उन्होंने मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए अरदास की। इस अवसर पर उन्होंने सिख संगत द्वारा आयोजित होला मोहल्ला यात्रा के लिए नि:शुल्क बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सिख संगत द्वारा आयोजित इस यात्रा में लगभग 1200 श्रद्धालु 17 बसों, 2 ट्रकों एवं अन्य वाहनों के साथ श्री हजूर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) तथा गुरुद्वारा नानक झीरा साहिब, बीदर (कर्नाटक) के लिए रवाना हुए। यह यात्रा सिख समाज की आस्था, परंपरा और सामूहिक श्रद्धा का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने संगत को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान और मानवता की सेवा का संदेश पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी से जुड़े पवित्र स्थलों पर आयोजित होला मोहल्ला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि साहस, सेवा और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत परंपरा का प्रतीक है। सिख गुरुओं द्वारा स्थापित शौर्य और समर्पण की विरासत सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि सिख संगत द्वारा लगातार 25वें वर्ष इस भव्य आयोजन का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए सिख समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी श्रद्धालु इस यात्रा को लेकर उत्साहित दिखे।

इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा सहित सिख समाज के प्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महासमुन्द के ठाकुरदिया खुर्द गांव में उप मुख्यमंत्री ने किया राम मंदिर का भूमिपूजन

- अयोध्या के भगवान राम के मंदिर से ईंट लेकर इस मंदिर का निर्माण किया जा रहा है

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा रविवार को महासमुंद जिले के ठाकुरदिया खुर्द में आयोजित राम मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और मर्यादा के प्रतीक हैं तथा राम मंदिर का निर्माण समाज की आस्था और एकता का प्रतीक है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या में निर्मित श्री राम मंदिर सनातन समाज के संकल्प और आस्था की अद्भुत मिसाल है। उसी प्रेरणा से गांव-गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का विकास होना चाहिए। अयोध्या के भगवान राम के मंदिर से ईंट लेकर इस मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या का श्री राम मंदिर अपने आप में विशेष है वह सनातनी मान बिंदु है, कई आक्रान्ता आये और हमारे मंदिरों को छिन्न भिन्न कर दिया था, उस समय समाज के लोगों ने संकल्प लिया होगा और 500 साल बाद राम मंदिर फिर भव्य रूप में बनकर खड़ा है।

आज इस मन्दिर का निर्माण का प्रारम्भ अयोध्या से लाई ईंट से हो रहा जो बहुत अद्भुत है। संकल्प लेकर मंदिर निर्माण का कार्य समय पर पूरा करें। उन्होंने मंदिर हेतु समाज द्वारा प्रदान किए गए दान की भी सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने ठाकुरदिया खुर्द में 20 लाख रुपए की लागत से सामाजिक भवन तथा पिथौरा जनपद पंचायत में 25 लाख रुपए की लागत से सभाभवन निर्माण की घोषणा भी की।

इस अवसर पर उमेशानंद गिरी महाराज, कृष्णानन्द गिरी महाराज, सांसद रूपकुमारी चौधरी, पूर्व केबिनेट मंत्री आन्ध्र प्रदेश अमर सिंग तिलावत, जिला भाजपा अध्यक्ष एतराम साहू, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, जनपद अध्यक्ष उषा पुरर्षोत्तम घृतलहरे, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भिखम ठाकुर भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्मिता चंद्राकर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमन वर्मा, युवा जिला अध्यक्ष बाला चंद्राकर, आयोजन समिति के श्री अजय नायक उपस्थित रहे।

चिल्फी से सिमगा तक फोरलेन सड़क बनाने सहमति

- केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार के अपने नागपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (एनएच 30) के धवईपानी (चिल्फी) से कवर्धा होते हुए सिमगा तक लगभग 122 किलोमीटर लंबे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करने तथा कवर्धा बायपास 4एल+पीएस के निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को बताया कि हाल ही में एनएच - 30 के जबलपुर से मंडला एवं चिल्फी तक लगभग 160 कि.मी. के सेक्शन को 4-लेन में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में चिल्फी (धवईपानी) से कवर्धा तथा कवर्धा गुरूनाला से सिमगा तक का मार्ग 10 मीटर चौड़ाई की 2-लेन सड़क के रूप में निर्मित है। चिल्फी से रायपुर मार्ग पर वर्तमान में व्यावसायिक एवं भारी वाहनों का अत्यधिक आवागमन होता है। जबलपुर-मंडला-चिल्फी सेक्शन के 4-लेन बनने के बाद यातायात का दबाव आगे के 2-लेन सेक्शन पर और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में लोक सुरक्षा एवं यातायात सुगमता के दृष्टिकोण से धवईपानी (चिल्फी) से सिमगा (रायपुर) तक के पूरे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

जबलपुर से रायपुर के मध्य एनएच-30 पर जिला कबीरधाम मुख्यालय कवर्धा स्थित है। यह अंतर्राज्यीय मार्ग व्यावसायिक, सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा बायपास (4 लेन मय पेव्ड शोल्डर) के निर्माण की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि बायपास निर्माण से शहर के भीतर दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

नागपुर से लौटकर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सिमगा से रायपुर तथा धवईपानी से जबलपुर तक 4-लेन निर्माण के आदेश पूर्व में जारी हो चुके हैं, किंतु धवईपानी से सिमगा तक का सेक्शन शेष रह गया था।

विशेष जनजातियों के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

पण्डो समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पण्डो समाज जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।ॉ

बलरामपुर जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत महादेवपुर में विशेष पिछड़ी जनजाति सम्मेलन का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत महादेवपुर में कुल 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दो प्रमुख कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें 25 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण तथा 25 लाख रुपये की लागत से पण्डो समाज के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण शामिल है। पूर्व जिपं अध्यक्ष पुष्पा नेताम एवं जनप्रतिनिधि इस सम्मेलन में सम्मिलित हुए।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पुलिया निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। पण्डो समाज का सामुदायिक भवन सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक भवन में समतलीकरण के लिए 5 लाख की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि विशुनपुरा से बैकुंठपुर तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार होगा।

उन्होंने बताया कि डिंडो, रामचंद्रपुर और रामानुजगंज में पण्डो छात्रावास भी बजट में शामिल है। रामचंद्रपुर में भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी बजट में शामिल है।

कृषि मंत्री ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पण्डो समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक आवश्यकता है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से आसपास के कई गांवों को लाभ मिलेगा और आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर इलाज सुनिश्चित हो सकेगा।

श्री नेताम ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर पण्डो समाज के लोगों के साथ केक काटकर खुशियां साझा की। समाज के बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्री नेताम ने कहा कि जन्मदिवस को समाज के बीच मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

समाज को जोड़ती है कबीर की वाणी, शासकीय संकल्प जनजीवन को संवारता है : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संत परंपरा और आध्यात्मिक चेतना समाज को सही दिशा देती है, और जब शासन व्यवस्था इन मूल्यों से जुड़ती है, तो विकास और संस्कार दोनों साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है, सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम नादिया स्थित कबीर मठ आश्रम में आयोजित अखिल भारतीय सद्गुरु कबीर संत सम्मेलन फाल्गुन महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर आश्रम के लिए 11 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने मठ आश्रम परिसर में स्थायी डोम निर्माण और प्रतिवर्ष आयोजन के लिए बजट में राशि का प्रावधान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम नादिया में मिनी स्टेडियम के निर्माण की घोषणा की, साथ ही राजनांदगांव शहर में कबीर साहेब के नाम भव्य प्रवेश द्वार निर्माण की भी घोषणा की।

संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 202 साल पहले पूज्य सद्गुरु सेवा साहब जी ने नादिया जैसे गांव में कबीर मठ की स्थापना की। हलबा समाज के संत स्वरूप मंतू ठाकुर जी ने आश्रम की सेवा के लिए अपनी समस्त संपत्ति अर्पित कर दी। श्री साय ने कहा कि हलबा समाज का गौरवशाली और समृद्ध इतिहास रहा है। हलबा समाज से गेंदसिंह जी जैसे महानायक हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में सद्गुरु कबीर के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश में सद्गुरु संत कबीर का बड़ा प्रभाव है। उन्होंने अपने बचपन से ही कबीर पंथ से जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि कुनकुरी में कबीरपंथ का बड़ा आश्रम है। बचपन से ही पंथ के रीति-रिवाजों से मैं भलीभांति परिचित रहा छत्तीसगढ़ का जिला कबीरधाम सद्गुरु के नाम पर है। यहां के लोकजीवन में कबीर की वाणी का प्रभाव है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कबीर दास जी के दोहों में जीवन का संदेश है। उन्होंने 'निंदक नियरे

राखिए' जैसे कबीर संत के दोहों को दोहराया। श्री साय ने कहा कि संत कबीर कहते थे कि हमारे भीतर अपनी कमियों को सुनने का साहस होना चाहिए, ताकि हम खुद को बेहतर बना सकें। हमें कबीरदास जी के बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की 80 प्रतिशत आबादी कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ी है। हमने सुव्यवस्थित धान खरीदी की। अंतर की राशि का भुगतान भी होली से पहले कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी में हमने वादा किया था कि सरकार बनते ही प्राथमिकता के आधार पर 18 लाख आवास प्रदान करेंगे। हमने शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर ही पहली कैबिनेट बुलाकर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दे दी। 8 लाख से ज्यादा मकान बन चुके हैं, जिनका गृह प्रवेश भी हो चुका है। इतना ही नहीं, बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की अलग से स्वीकृति हुई है। पीवीजीटी समुदाय के लोगों के लिए अलग से 32,000 पीएम आवासों की स्वीकृति हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही बस्तर के पिछड़े क्षेत्रों में विकास हो रहा है। 7,000 से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। दो साल में 32,000 से ज्यादा नौकरियों की प्रक्रिया शुरू की। 5,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती निकाली जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्रीराम ने वनवास का सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में बिताया। हमने श्रीराम लला दर्शन योजना की शुरुआत की, जिसके तहत अब तक 42,000 से अधिक लोगों को अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ धाम का दर्शन कराया जा चुका है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 5,000 से ज्यादा लोगों को देश के 19 चिन्हांकित तीर्थस्थलों का दर्शन कराया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यहां की मिट्टी में सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना रची-बसी है, जो प्रदेशवासियों के जीवन और व्यवहार में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ के लोग सरल, संवेदनशील और संस्कारों से परिपूर्ण हैं, यही इस प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है।

सांसद श्री संतोष पांडेय ने छत्तीसगढ़ की धरती को रत्नगर्भा बताते हुए कहा कि हमारी धरती को समय-समय पर संतों का मार्गदर्शन मिलता रहा है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, जिला सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष भरत वर्मा, श्रम मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, जिला पंचायत के अध्यक्ष किरण वैष्णव, डोंगरगांव जनपद पंचायत के अध्यक्ष रंजीता ग्राम पंचायत नदिया के सरपंच वंदिता ठाकुर, आचार्य स्वामी मंगल साहेब, धर्माधिकारी सत्येंद्र साहेब, डॉक्टर भागीरथी साहेब, साध्वी सुमेधा साहेब संत राम रतन स्वरूप साहेब, लेख चंद्र साहेब सहित अन्य गणमान्य नागरिक गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950